RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-332 | जयपुर, शुक्रवार, 05 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

केरलम पहुंचा मानसून, जम्मू-कश्मीर के रियासी में बादल फटा

दिल्ली में बारिश से 11 फ्लाइट डायवर्ट, एमपी में आंधी-बारिश

देहरादून

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बटोही इलाके में गुरुवार को बादल फट गया। इसके बाद इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए। पानी और मलबा रिहायशी क्षेत्र में घुस गया, जिससे कई घरों को नुकसान पहुंचा। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। पहाड़ी ढलानों के पास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। फिलहाल किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है।

दूसरी ओर, दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को केरल पहुंच गया। अगले 2-3 दिनों में इसके गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु तक पहुंचने की संभावना है। मानसून पूर्वोत्तर राज्यों और बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में भी आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिनों के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं, मध्यप्रदेश में आज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई।

दिल्ली एनसीआर में भी तेज आंधी चली। कई जगह गाड़ियों के ऊपर पेड़ गिर गए। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा।

तीन दिन देरी से पहुंचा है मानसून

इस साल मानसून केरल में सामान्य से 3 दिन देर से पहुंचा है। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। इसके बाद करीब डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। मानसून की वापसी आमतौर पर 17 सितंबर के आसपास राजस्थान से शुरू होती है और 15 अक्टूबर तक पूरी हो जाती है।

एमपी और दिल्ली-एनसीआर में बारिश

मध्य प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70kmph की रफ्तार से आंधी चली। 200 से ज्यादा जगहों पर पेड़ की टहनियां टूट कर गिर गई है।

वहीं, दिल्ली-हृष्टक्र में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए। सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक जाम लग गया।

मौसम विभाग ने ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और तेलंगाना समेत 24 राज्यों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं की संभावना जताई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- कुछ पद सिर्फ कम शिक्षितों के लिए

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छुपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छुपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है।

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन से जुड़ा पश्चिम बंगाल

नई दिल्ली। प. बंगाल विधानसभा में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के क्रियान्वयन के लिए गुरुवार को त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता संसदीय कार्य मंत्रालय, प. बंगाल विधानसभा और राज्य सरकार के बीच किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विधायी संस्थाओं में डिजिटल परिवर्तन समय की आवश्यकता है व केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल विधानसभा को पूरी तरह डिजिटल सदन बनाने की दिशा में हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा डिजिटल प्लेटफॉर्म से विधायी कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी तथा विधायकों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध होगी।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन हमला, छत के परखच्चे उड़े

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए ड्रोन हमले का वीडियो सामने आया है। कुवैत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने गुरुवार को यह वीडियो जारी किया।

वीडियो में एक ड्रोन एयरपोर्ट की छत से टकराता दिखाई दे रहा है। टक्कर होते ही ड्रोन के टुकड़े बिखर जाते हैं और आसपास नुकसान होता है।

इस हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हुए हैं। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कई घायलों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

हमले से एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को काफी नुकसान पहुंचा। सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन भी रोक दिया गया था।

इजराइली राजदूत बोले- पाकिस्तान पर भरोसा करना मुश्किल

भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने पाकिस्तान को समस्याग्रस्त देश बताते हुए कहा है कि उस पर क्षेत्रीय विवादों में मध्यस्थ के रूप में आसानी से भरोसा नहीं किया जा सकता।

पाकिस्तान की भूमिका को लेकर उनके मन में सवाल हैं। अगर कोई मध्यस्थ किसी एक पक्ष के ज्यादा करीब हो जाए, तो बातचीत मुश्किल हो सकती है।

अजार ने यह भी दावा किया कि पिछले कुछ सालों में हमास नेताओं की पाकिस्तान और बांग्लादेश यात्राएं बढ़ी हैं। भारत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इजराइल जिन सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है, उनसे दूसरे देश भी सीख ले सकते हैं।

राज्यसभा चुनाव- भाजपा के 11 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी, राजस्थान से सतीश पूनिया को मौका

कांग्रेस के पवन खेड़ा कर्नाटक से प्रत्याशी

नई दिल्ली

भाजपा और कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। मध्यप्रदेश की दो सीटों के लिए राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और उद्योगपति रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। राजस्थान से पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने भी सात उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। पार्टी ने कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया है।

वहीं मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज डांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा को राज्यसभा चुनाव के लिए टिकट दिया गया है।

ओडिशा में 25 मई को देवाशीष सामंतराय ने बीजू जनता दल और राज्यसभा से इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर ली थी। इस तरह ओडिशा की इस सीट पर उपचुनाव होगा।

इसके लिए भाजपा ने देवाशीष को ही उम्मीदवार बनाया है। 13 राज्यों की 27 राज्यसभा सीटों पर 18 जून को चुनाव होगा। नामांकन भरने की लास्ट डेट 8 जून है।

तमिलनाडु: विजय की पार्टी TVK ने राज्य की एक राज्यसभा सीट कांग्रेस को दी है। पार्टी ने यहां से प्रवीण चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया है।

मेघालय: मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस-II ने नेशनल पीपुल्स पार्टी के जेम्स पीके संगमा को सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया है।

मुजफ्फरपुर के हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

कुछ मरीजों के गायब होने पर लोगों का हंगामा

मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद आईसीयू में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रैचर से बाहर ले जाते दिखे। आईसीयू वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई।

दमकलकर्मियों ने आईसीयू और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। चार मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक की पहचान नहीं हो पाई है।

वहीं, हादसे के बाद प्रसाद हॉस्पिटल से कई मरीज गायब बताए जा रहे हैं। इसे लेकर मरीज के परिजन हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मरीजों को वापस लाया जाए। हालांकि, पुलिस और प्रशासन का कहना है कि उनका दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सीएम सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से हादसे पर सवाल किया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा भी थे। दोनों आज दिल्ली के निकल गए। हालांकि एक घंटे बाद निशांत ने हादसे पर दुख जताया।

परिजन का ये भी आरोप है कि आग लगने के बाद अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी मरीजों को तड़पता छोड़कर भाग गए।

पहले विश्व योगासन चैंपियनशिप का उद्घाटन

प्रधानमंत्री मोदी बोले- योगासन को मिलेगी वैश्विक खेल पहचान

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में आयोजित पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि योगासन अब प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में नई पहचान हासिल करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग की जीवंत परंपरा अब एक नए दौर में प्रवेश कर रही है और योगासन खेल के विस्तार से खिलाड़ी, प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों और खेल प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से आयुष मंत्रालय के 'योगा 365' अभियान के दूत बनने की अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने देशों में सालभर योग को बढ़ावा दें।

फरीदाबाद में तेज अंधड़ में क्रेन पलटी, 3 की मौत

जेवर एयरपोर्ट फ्लाईओवर पर हादसा, 1 मजदूर फंसा

हिसार/फरीदाबाद

हरियाणा में गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ के असर से 12 जिलों में आंधी-बारिश हुई। हवा की रफ्तार 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे रही। इसके कारण फरीदाबाद जिले में पनहेड़ा खुर्द गांव के पास जेवर एयरपोर्ट से जुड़े फ्लाईओवर निर्माण कार्य में लगी क्रेन अचानक असंतुलित होकर मजदूरों के रहने के लिए रखे गए कंटेनर पर पलट गई।

इसमें करीब 8 मजदूरों दब गए। पुलिस के साथ निर्माण कंपनी के कर्मचारी, स्थानीय ग्रामीण और अन्य लोग भी राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 3 मजदूरों के शव निकाल लिए थे, जबकि चार को बचा लिया गया। 1 मजदूर अभी भी दबा हुआ है, जिसे बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई थी। उधर, आज दोपहर में फरीदाबाद, फतेहाबाद, पलवल, गुरुग्राम, रेवाड़ी और कैथल में बारिश हुई। गुरुग्राम और हिसार में तेज आंधी से जनजीवन भी प्रभावित हुआ। शाम को भिवानी, महेंद्रगढ़ के नारनौल, पंचकूला, अंबाला, पंचकूला और सिरसा के रानियां में बारिश हुई।

मौसम विभाग की ओर से जारी अपडेट के अनुसार, दादरी, भिवानी, झज्जर, रोहतक, हिसार, फतेहाबाद, सोनीपत, पानीपत, करनाल, यमुनानगर, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र व अंबाला में 50-60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। बादल गरजने और ओले गिरने की भी संभावना है।

दावा-टीएमसी नेता भीड़ के डर से बिस्तर के नीचे छिपा

कट मनी' वापस मांगने पहुंचे लोगों ने घर घेरा

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के माथाभांगा में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहिदुल मियां का वीडियो सामने आया है। वीडियो में वे बिस्तर के नीचे छिपते नजर आ रहे है।

आरोप है कि शाहिदुल ने सरकारी आवास योजना में घर दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे लिए थे। योजना का लाभ नहीं मिलने पर बुधवार को बड़ी संख्या में लोग उनके घर पर पहुंच गए।

भीड़ बढ़ने पर शाहिदुल घर के एक कमरे में जाकर बिस्तर के नीचे छिप गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें वहां से निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले गई। हालांकि दैनिक भास्कर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

राजस्थान में सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सख्ती

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़कों का निर्माण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की निरंतर जांच की जाए एवं निम्नस्तरीय सड़क पर अधिकारी-अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन का दुरुपयोग और अपव्यय किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत, सुरक्षित और व्यापक बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार बड़ी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए आपसी समन्वय से तय समयसीमा में पूरा किया जाए। विकास एवं परियोजनाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित हो। उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जालौर-झालावाड़, श्रीगंगानगर-कोटपूतली, अजमेर-बांसवाड़ा के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी के संबंध में चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रिंग रोड के उत्तरी हिस्से की योजना पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधारभूत ढांचे के विकास से राज्य के विकास को गति मिलती है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवागमन को सरल और सुगम बनाया जाए और हर गांव, हर कस्बे को सड़क तंत्र से जोड़ा जाए। उन्होंने सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ाईकरण से संबंधित कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए मौजूदा सड़क तंत्र के विकास एवं विस्तार पर जोर दिया।

उन्होंने प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास कार्यों की भी समीक्षा कर निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यों में गति लाई जाए। साथ ही, उन्होंने राज्य राजमार्ग, मुख्य जिला सड़क, अन्य जिला सड़क एवं ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रगतिरत कार्यों के बारे में अवगत करवाते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के 2 वर्ष 5 माह के कार्यकाल में अब तक 33 हजार 195 करोड़ रुपये का व्यय कर 48 हजार 748 किमी लम्बाई में सड़कों का विकास कार्य पूर्ण किया गया है।

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पीड़ित बोली- ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया, शिकायत की तो इस्तीफा लिया

पुणे

पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी।

इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

पीड़ित महिला ने कहा अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया।

पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी।

उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार, सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे। महिला ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई थी, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बजाय कंपनी की ओम्बड्स कमेटी में उसके खिलाफ ही शिकायत दर्ज कर दी गई।

अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ा अभियान, 290 संदिग्ध हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बड़े पैमाने पर संयुक्त कार्रवाई की। चंदोला, गुलाबनगर, खोडियारनगर सहित शहर के कई इलाकों में देर रात चलाए गए विशेष तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल के अनुसार अभियान के दौरान कुल 290 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। इसमें से 131 लोगों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया, जबकि करीब 160 अन्य संदिग्धों से पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी व्यक्तियों के दस्तावेजों, पहचान और नागरिकता संबंधी रिकॉर्ड की गहन जांच हो रही है। जांच पूरी होने के बाद कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देकर गुजरात के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सरकार अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद के अलावा सूरत, राजकोट और वडोदरा सहित राज्य के कई शहरों में भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर संदिग्ध इलाकों में लगातार निगरानी और तलाशी अभियान चला रही हैं। संघवी ने कहा कि रात्रिकालीन अभियान के दौरान बड़ी संख्या में इसतरह के लोगों की पहचान की गई, जिनके दस्तावेजों की जांच आवश्यक है। राज्य सरकार का उद्देश्य अवैध घुसपैठ और गैरकानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना है। अधिकारियों के मुताबिक यह अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में भी विभिन्न शहरों और संवेदनशील इलाकों में सत्यापन और जांच अभियान जारी रहेगा।

आजमगढ़ में पाक समर्थित संदिग्ध की गिरफ्तारी : राजभर का सपा पर सीधा हमला

आजमगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा संदिग्ध पाक समर्थित आतंकी की गिरफ्तारी के बाद राज्य सियासी उबाल आ गया है। इस मामले पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोलकर एटीएस की कार्रवाई की सराहना की है। यूपी एटीएस ने आजमगढ़ के खुदाददपुर गांव से मोहम्मद शेख नामक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। शेख पर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए काम करने का गंभीर आरोप है। एटीएस के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे आका सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप के द्वारा मोहम्मद शेख को कट्टरपंथी बना रहे थे। वह आतंकी नेटवर्क के गुर्गों के संपर्क में था और लोकल युवाओं का ब्रेनवाश कर रहा था। जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि शेख को दूसरे राज्य की एक महिला नेता को धमकी देने का एक टेस्ट मिशन भी सौंपा गया था। एटीएस ने संदिग्ध के पास से एक 9 एमएम पिस्टल, चार कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है। शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस आंतकी की गिरफ्तारी को सपा से जोड़ते हुए राजभर ने आरोप लगाया, ''दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकियों को उस क्षेत्र से पकड़ा जा रहा है, जो कि सपा का गढ़ कहा जाता है। इसका मतलब है कि सपा नेता आजमगढ़ में आतंकियों को संरक्षण देते हैं। हालांकि, मंत्री ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। गौरतलब है कि आजमगढ़ पूर्वी उत्तर प्रदेश में सपा का एक प्रमुख गढ़ माना जाता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव वर्तमान में यहां से सांसद हैं और पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जिले की सभी 10 सीटें जीती थीं। लखनऊ के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और इसतरह के अंतरराष्ट्रीय मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण आवश्यक है। उनका कहना है कि गहन जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है, क्योंकि कानूनी कार्रवाई जारी है।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की मांगों और विचारधारा का समर्थन कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि यदि 5 जून तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया, तब वे 6 जून को जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होऊंगा। वांगचुक ने वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके से बात की है और बातचीत के बाद उन्हें लगा कि दिपके की मंशा गलत नहीं है, बल्कि वे एक देशप्रेमी हैं और व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं। दिपके, जो इस समय अमेरिका में हैं, उन्होंने भी 1 जून को सोशल मीडिया के माध्यम से 6 जून को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। दिपके ने बताया है कि वे 6 जून को भारत लौटकर और एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाकर प्रदर्शन की इजाजत मांगूगा। उन्होंने लोगों से एयरपोर्ट पर उनसे मिलने और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील भी की है।

कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, छह जिलों में एक साथ छापेमारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क और उनके स्लीपर सेल के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकवाद-रोधी जांच इकाई काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने घाटी के छह जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी कर संदिग्ध गतिविधियों की जांच को नई गति दी। यह कार्रवाई पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों और उनके स्थानीय नेटवर्क से जुड़े एक दशक पुराने मामले के सिलसिले में की गई। अधिकारियों के अनुसार हाल ही में प्राप्त खुफिया सूचनाओं, तकनीकी विश्लेषण और चल रही जांच के आधार पर आठ संदिग्ध ठिकानों की पहचान की गई थी। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर बुधवार तड़के श्रीनगर और बांदीपोरा में दो-दो स्थानों तथा कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम और बारामूला में एक-एक स्थान पर एक साथ छापेमारी की गई। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक यह मामला वर्ष 2015 में दर्ज किया गया था और इसका संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों, उनके स्लीपर सेल नेटवर्क तथा जम्मू-कश्मीर में युवाओं की भर्ती, कट्टरपंथी विचारधारा के प्रसार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने से है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध गोपनीय संचार माध्यमों के जरिए पाकिस्तान में बैठे आतंकी संचालकों के संपर्क में थे।

केंद्रीय मंत्री शाह आज से त्रिपुरा दौरे पर, अवैध घुसपैठ पर होगा कड़ा प्रहार

बीएसएफ सहित अन्य एजेंसियों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के प्रयासों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 और 5 जून को त्रिपुरा के दौरे पर जा रहे है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी हालात का आकलन करने वाले है। बताया जा रहा हैं कि दौरे के दौरान सीमा प्रबंधन, अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य सीमा पार गतिविधियों को रोकने के उपायों पर विशेष चर्चा होगी।

इस बीच पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली क्षेत्र में पुलिस ने 18 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इसमें छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में इन लोगों को पकड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में उनके बांग्लादेशी नागरिक होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि सभी के दस्तावेजों और पहचान की विस्तृत जांच की जा रही है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की

जाएगी।

बंगाल प्रशासन ने हाल के दिनों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया तेज की है। इसके तहत विभिन्न जिलों में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के दौरान संबंधित लोगों को रखा जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बात दें कि त्रिपुरा भारत के उन राज्यों में शामिल है जिसकी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश से लगती है। राज्य की करीब 856 किलोमीटर सीमा सुरक्षा एजेंसियों के लिए हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। हालांकि अधिकांश हिस्सों में सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है, लेकिन कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सुरक्षा चुनौतियां बनी रहती हैं। इसी वजह से केंद्र सरकार सीमा निगरानी को और प्रभावी बनाने पर जोर दे रही है।

केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग को भी प्राथमिकता दी है। ड्रोन, रडार, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे और अन्य इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरणों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी क्षमता बढ़ाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि तकनीक आधारित निगरानी से अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर अधिक प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

इस बीच 8 से 11 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के अधिकारियों के बीच सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय वार्ता प्रस्तावित है। बैठक में सीमा सुरक्षा, अवैध आव्रजन, मानव तस्करी, तस्करी रोकथाम और द्विपक्षीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन को और मजबूत बनाने तथा समन्वय बढ़ाने के प्रयासों को बैठक से नई गति मिलने की उम्मीद है।

दोस्तों के साथ ट्रैकिंग पर गई युवती 5 दिन से लापता

सेना व राहत टीमें कर रही तलाश

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तरकाशी में ट्रैकिंग के लिए गई नैनीताल की युवती का पांच दिन से कोई पता नहीं चला है। बबीता पांडे की तलाश के लिए सेना, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। ड्रोन के जरिए दयारा बुग्याल ट्रेक के दुर्गम क्षेत्रों को छाना जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं मिला है। बबीता के भाई हर्षित पांडे ने बताया कि उसकी बहन दो दोस्तों हरमनपाल और हरमनप्रीत के साथ गढ़वाल घूमने निकली थी। पहले वे हर्षिल गए और फिर दयारा बुग्याल की ट्रैकिंग पर निकले। 29 मई की रात को वे सभी रास्ते में गोई नामक स्थान पर रुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दोस्तों ने परिजनों को बताया कि अगली सुबह 4 बजे बबीता टेंट में नहीं थी और फोन करने पर उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। भाई का कहना है कि उसकी बहन उन दोनों के साथ गई थी, इसलिए सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं दोनों दोस्तों की थी। लापता बबिता नैनीताल जिले के रामनगर (चिल्किया) की रहने वाली है। वह अपने परिवार की सबसे बड़ी संतान और दो भाइयों हर्षित और तनुज की इकलौती बहन है। बबिता दिल्ली से एमबीए कर रही हैं और पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम नौकरी कर रही थी। उनके दोनों भाई रामनगर में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े हैं। अभी उनकी मां और बड़ा भाई हर्षित उत्तरकाशी में खोजबीन के लिए गए हैं, जबकि घर पर उनके छोटे भाई तनुज, दादी और दिव्यांग पिता हैं।

योगी के मंत्री राजभर का विपक्ष पर निशाना.....इंडिया गठबंधन में नहीं है कोई दम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलकर कमजोर और प्रभावहीन बताया है। विपक्षी दलों की प्रस्तावित बैठक से पहले उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दल अपने-अपने राज्यों तक ही सीमित प्रभाव रखते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत राजनीतिक ताकत खड़ी करने में सफल नहीं हुए हैं। योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल नेताओं के पास अपने राज्यों में भले ही राजनीतिक आधार हो, लेकिन दूसरे राज्यों में उनका प्रभाव बेहद कम है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का प्रभाव पश्चिम बंगाल तक सीमित है, जबकि कांग्रेस भी कई राज्यों में अपना जनाधार खो चुकी है। इसके बाद में अलग-अलग राज्यों के क्षेत्रीय दलों के एक मंच पर आने मात्र से कोई मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार नहीं हो जाता। उनके अनुसार यही कारण है कि इंडिया गठबंधन अपेक्षित प्रभाव पैदा करने में असफल रहा है। राजभर की यह टिप्पणी तब आई है, जब सूत्रों के मुताबिक इंडिया ब्लॉक के नेता 8 जून को नई दिल्ली में गठबंधन की बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बैठक में विभिन्न विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ने अपने नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में कोलकाता में प्रदर्शन किया था। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने विरोध कार्यक्रम का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और वरिष्ठ नेताओं के साथ मार्च में शामिल हुईं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी बैठकों और राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच विपक्षी एकता और गठबंधन की मजबूती आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बनी रहेगी।

ममता के विरोध प्रदर्शन पर दिलीप घोष का हमला, जनता और कार्यकर्ता साथ नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पार्टी सांसदों पर कथित हमलों के विरोध में आयोजित प्रदर्शन को लेकर सुवेंदु सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दावा किया कि इस प्रदर्शन को न आम जनता का समर्थन मिला और न ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसमें अपेक्षित रुचि दिखाई। बीजेपी नेता घोष ने कहा कि जनता अपना जनादेश दे चुकी है और अब वह राजनीतिक प्रदर्शनों के बजाय विकास और प्रशासनिक कार्यों पर ध्यान चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों में सरकार के प्रति असंतोष बढ़ रहा है, जिसका असर हालिया प्रदर्शन में भी देखने को मिला। उनके अनुसार प्रदर्शन में अपेक्षित भीड़ नहीं जुटी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जनता इस तरह की राजनीतिक गतिविधियों से दूरी बना रही है।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने कोलकाता के रानी रश्मोनी एवेन्यू में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता, जिनमें सांसद कल्याण बनर्जी और डोला सेन शामिल थे, उनके साथ मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान नेताओं को संविधान की प्रति हाथ में लिए हुए भी देखा गया। यह विरोध प्रदर्शन टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी द्वारा लगाए गए हमले के आरोपों के बाद आयोजित किया गया। अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि दक्षिण 24 परगना के दौरे के दौरान उन पर ईंट, पत्थर और अंडों से हमला किया गया, जिससे उन्हें चोट लगी। वहीं कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि चंदिताला थाना क्षेत्र के पास ज्ञापन सौंपने के दौरान उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई और वह बाल-बाल बच गए। इन आरोपों के बाद राज्य में राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। टीएमसी ने विपक्षी दलों पर अपने नेताओं को निशाना बनाने और डराने-धमकाने का आरोप

लगाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन घटनाओं के बाद राज्य में सियासी टकराव और तेज हो सकता है, क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगा रहे हैं और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

खालिस्तानी संगठन ने दी अंबाला कोर्ट, नगर निगम, रेलवे स्टेशन उड़ाने की डेडलाइन

अंबाला (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों से अंबाला में भी सरकारी संस्थानों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। अब खालिस्तान नेशनल आर्मी नाम के संगठन की तरफ से एक धमकी भरा ईमेल आया है, जिसमें अंबाला शहर नगर निगम, अंबाला कोर्ट और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की बात कही है। इस मेल के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

बता दें जिले में एक बार फिर दहशत है। इस बार आतंकियों की तरफ से 6 जून को इन सरकारी और सार्वजनिक जगहों पर बम से उड़ाने की डेडलाइन दी गई है। धमकी मिलने के बाद से ही पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है, लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये मेल कहां से आ रहे हैं? इन्हें कौन भेज रहा है और इसके पीछे किसकी गहरी साजिश है?

अंबाला पुलिस अब तक इन ईमेल्स के पीछे के मास्टरमाइंड का पर्दाफाश करने में नाकाम रही है। हर बार की तरह इस बार भी पुलिस के पास सिर्फ एक ही जवाब है कि जांच चल रही है और आरोपी जल्द पकड़ लिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं और नगर निगम में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं रेलवे स्टेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी जीआरपी को सौंपी गई है। राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से लगातार संपर्क साधा जा रहा है, ?लेकिन लोगों के मन में सवाल है कि जब तक धमकी देने वाले सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते, तब तक यह सुरक्षा के खोखले दावे कितने सुरक्षित हैं? 6 जून की तारीख नजदीक है, ऐसे में पुलिस की टेक्निकल टीम के लिए यह समय के खिलाफ एक बड़ी रेस है।

कोयला घोटाला मामला: कोर्ट ने नवीन जिंदल, पीसी पारेख के खिलाफ किया समन जारी

-अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष कोर्ट ने सोमवार को उद्योगपति नवीन जिंदल, पूर्व कोयला सचिव पी सी पारेख और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हुए उन्हें समन जारी किया है। कोर्ट ने आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। स्पेशल जज सुनेना शर्मा ने नवीन जिंदल, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, पी सी पारेख, राकेश कुमार जिंदल, राम किशोर, एस के अग्रवाल और जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 17 जुलाई को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह कोयला ब्लॉक आवंटन मामलों से जुड़ी सबसे विस्तृत और भारी-भरकम आरोप-पत्रों में से एक है। मामले की जांच सीबीआई ने की है, जिसने आरोप लगाया है कि कोयला ब्लॉक आवंटन और खनन पट्टे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया गया है। सीबीआई के मुताबिक 1996 में छत्तीसगढ़ के गारे पाल्मा 4/1 कोयला ब्लॉक का आवंटन जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता

वाले स्पंज आयरन प्लांट के लिए किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि ब्लॉक में कोयले का भंडार निर्धारित जरुरत से काफी ज्यादा था, जिसके बावजूद आवंटन किया गया।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि खनन पट्टे के लिए केंद्र सरकार की ओर से 705 हेक्टेयर क्षेत्र को मंजूरी दी गई थी, लेकिन पट्टा मंजूरी सीमा से ज्यादा क्षेत्र में निष्पादित किया गया। बाद में 2005 में स्क्रीनिंग समिति ने कथित अनियमितता को नियमित करते हुए स्वीकृत क्षेत्र से अतिरिक्त भूमि शामिल करने का प्रस्ताव भी दिया। मामले के दस्तावेजों के मुताबिक मार्च 2004 में जेएसपीएल ने कोयला ब्लॉक से उत्पादन क्षमता 2 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने की अनुमति मांगी थी। इस दौरान कोयला मंत्रालय ने पट्टे की सीमाओं और अतिरिक्त उत्पादन से जुड़ी विसंगतियां पाई थीं और कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में आंधी-ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां लगातार अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, इस बीच उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के लिए आंधी-तूफान, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की गंभीर चेतावनी जारी की है। इसके विपरीत, बिहार के लोगों को आने वाले दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, एनसीआर और हरियाणा में मौसम काफी खराब रहने की आशंका है। यहां 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भीषण आंधी-तूफान आने की संभावना है, जिसकी स्पीड बढ़कर 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही हल्की से मध्यम बारिश और बिजली कड़कने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश

में भी गरज-चमक और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर में मौसम का रौद्र रूप देखने को मिल सकता है। यहां 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है और अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश में भी गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इसके उलट बिहार के विभिन्न इलाकों में लू चलने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ दिनों बाद यहां बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं झारखंड और ओडिशा में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान मौसम काफी गर्म और उमस भरा रहेगा।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि के साथ ही 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अनुमान है। छत्तीसगढ़ में भी आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ने की चेतावनी दी गई है। उधर, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली, यूपी, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में पहले अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी, जिसके बाद आंधी और बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, इसके बाद पारा एक बार फिर चढ़ने की उम्मीद है।

भारत ने कहा- सीमा विवाद सुलझाने में किसी तीसरे की जरुरत नहीं

-नेपाली पीएम के सीमा विवाद वाले बयान पर भारत का सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक विवादास्पद बयान ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को एक बार फिर गरमा दिया है। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ने संसद में दावा किया कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारतीय जमीन पर अतिक्रमण किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस ऐतिहासिक विवाद को सुलझाने के लिए भारत और नेपाल के अलावा चीन और ब्रिटेन जैसे तीसरे पक्षों की मध्यस्थता का सुझाव भी दे डाला। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि भारत और नेपाल के बीच की सीमा एक संवेदनशील और पूरी तरह से द्विपक्षीय मुद्दा है। इसमें चीन या ब्रिटेन जैसे किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं हो सकती और सभी अनसुलझे मामलों को केवल आपसी कूटनीतिक बातचीत से ही सुलझाया जाएगा। भारत के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 98 प्रतिशत सीमा का सीमांकन पहले ही सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। शेष बचे हिस्सों और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण की समस्याओं को हल करने के लिए दोनों देशों के पास पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं।

इस पूरे विवाद की असल जड़ कोई राजनीतिक या सैन्य कब्जा नहीं, बल्कि गंडक नदी का भौगोलिक व्यवहार है, जिसे नेपाल में नारायणी नदी कहा जाता है। यह नदी बिहार के पश्चिम चंपारण और नेपाल के सुस्ता क्षेत्र के बीच प्राकृतिक सीमा तय करती है। समय के साथ गंडक नदी अपना बहाव और रास्ता बदलती रहती है, जिससे जमीनी सीमाएं प्रभावित होती हैं। नदी के इस रुख के कारण स्थानीय नागरिकों में जमीन को लेकर भ्रम पैदा होता है और कई बार एक देश के लोग अनजाने में दूसरे देश की सीमा में खेती करने लगते हैं।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के इस बयान पर खुद नेपाल के भीतर विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने भारी आपत्ति जताई, जिसके बाद नेपाली विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी। नेपाल ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री का इरादा किसी जानबूझकर किए गए सैन्य कब्जे से नहीं था, बल्कि उनका इशारा नदी के रास्ता बदलने के कारण नो-मैन्स लैंड यानी दशगजा क्षेत्र में उपजी तकनीकी और व्यावहारिक विसंगतियों की तरफ था। वर्तमान में नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह संयुक्त रूप से इन क्षेत्रों की मैपिंग और जांच कर रहा है। भारत ने दृढ़ता से स्पष्ट किया है कि इस तकनीकी समस्या का स्थाई समाधान किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर नहीं, बल्कि दोनों देशों के संयुक्त कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर नए कानून के तहत राजस्थान पुलिस की बड़ी कार्रवाई

220 करोड़ से अधिक की सम्पत्ति की जब्ती/कुर्की के लिए न्यायालयों में कार्यवाही जारी, 636 अपराधियों की अवैध संपत्ति पर शुरू हुई कार्यवाही

प्रतापगढ़

झालावाड़

बारां

स्मार्ट हलचल | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान में अपराध और माफिया तंत्र के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अब अपराधियों को केवल जेल ही नहीं, बल्कि उनकी काली कमाई से खड़ी की गई अवैध सम्पत्तियों से भी हाथ धोना पड़ेगा। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के निर्देशों पर राजस्थान पुलिस ने राजस्थान में अपराधियों और माफियाओं के विरुद्ध राज-स्थान पुलिस ने आर्थिक मोर्चे पर बड़ी घेराबंदी शुरू कर दी है।

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय सुरक्षा संहिता की धारा 107 के तहत राज्य में 636 अपराधियों की आपराधिक गतिविधियों से अर्जित 220 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध न्यायालयों में कड़ी कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। राजस्थान पुलिस द्वारा अब तक 13 प्रकरणों में करीब 32 करोड़ की अपराधियों की अवैध रूप से अर्जित सम्पत्तियों को न्यायालय के आदेश से जब्त किया जा चुका है। जिला बून्दी द्वारा एक ही प्रकरण में लगभग 12 करोड़ की सम्पत्ति को जब्त किया है।

इस तरह कसा शिकंजा:

महानिदेशक पुलिस श्री शर्मा ने बताया कि पुलिस ने प्रदेश भर में 636 हार्डकोर अपराधियों की सूची तैयार की गई है, जिन्होंने अपराध के जरिए करोड़ों का साम्राज्य खड़ा किया है। इन अपराधियों की चल-अचल संपत्तियां चिन्हित करने के साथ-साथ पुलिस ने इन संपत्तियों को जब्त करने के लिए विभिन्न न्यायालयों में584 प्रकरणों में इस्तगासे (प्रार्थना पत्र) पेश किए हैं। न्यायालयों ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए अब तक 182 प्रकरणों में नोटिस जारी कर दिए हैं और विधिक प्रक्रिया के तहत पुलिस को बड़ी सफलता भी मिलने लगी है।

अपराधियों की 35 करोड़ से अधिक की अवैध सम्पत्तियां हुई ध्वस्त:

महानिदेशक पुलिस श्री शर्मा ने बताया कि संगठित अपराध से अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अपराध से अर्जित की गई सम्पत्तियों को सूचीबद्ध कर संबंधित विभाग/निकाय से समन्वय कर ध्वस्त करने व अपराधियों के मनोबल को तोड़ने की कार्यवाही भी की गई है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में वर्ष 2026 (01 जनवरी से 28 मई तक) में अपराधियों की अवैध सम्पति को ध्वस्तीकरण की 39 कार्यवाहियां की गई जिनमें अनुमानित 35 करोड़ 10 लाख 81 हजार रूपयों की सम्पत्तियां ध्वस्त की गई। वर्ष 2026 में झालावाड़ जिले द्वारा सर्वाधिक 12 कार्यवाहियां करते हुये अनुमानित राशि 22 करोड़ 90 लाख रूपयों की अवैध सम्पत्तियां ध्वस्त की गई।

नशा तस्करों पर भी नकेल, 66 करोड़ रुपयों की संपत्ति फ्रीज:

महानिदेशक पुलिस श्री शर्मा ने बताया कि इसी तरह राज्य को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की तस्करी पर भी कड़ा शिकंजा कसा जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का गठनकर क्रियान्विति की गई है। इसमें अभियान के तहत एएनटीएफ और पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ का प्रभावी प्रयोग किया है। जनवरी 2026 से अप्रेल 2026 के बीच 36 तस्करों के विरुद्ध इस्तगासे पेश किए गये। इनमें से 28 मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति की सिंजिग एवं फिजिंग हेतु भेजे गये इस्तगासे स्वीकृत किये गये हैं, जिनमें अनुमानित लगभग 33 करोड़ रूपये की सम्पत्तियां सीज एवं फ्रीज की गई। अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि अपराध और नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

बीएनएसएस की धारा 107, अपराधियों को पंगु बनाने का नया हथियार

जुलाई 2024 से लागू हुई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 इस पूरी कार्यवाही का मुख्य आधार है। इसका उद्देश्य अपराधियों को केवल जेल भेजना ही नहीं, बल्कि उनकी आर्थिक शक्ति को समाप्त कर उन्हें पूरी तरह कमजोर करना है। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी जिलों को एसओपी जारी की है ताकि जमीनी स्तर पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

पीड़ितों को राहत, अब मिलेगा अपना हक:

नए कानूनों की संवेदनशीलता को बताते हुए महानिदेशक पुलिस श्री शर्मा ने कहा कि अपराधियों से जब्त की गई इन संपत्तियों का लाभ अब पीड़ितों को भी मिलेगा। प्रावधानों के अनुसार जिला कलेक्टर के माध्यम से जब्त संपत्तियों में से पीड़ितों को उनकी संपत्ति वापस लौटाई जा सकेगी। इससे उन आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी जो माफियाओं के शोषण का शिकार हुए थे। इस दिशा में भी कार्यवाही की जा रही है।

बावड़ी में तैरता मिला 4 दिन से लापता बुजुर्ग का शव

फैली सनसनी, पुलिस जुटी जांच में

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र स्थित दादाबाड़ी इलाके में गुरुवार सुबह आत्माराम मुक्ति धाम की बावड़ी में एक बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक पिछले चार दिनों से घर से लापता थे। उनका शव घर से करीब 400 मीटर दूर स्थित एक धार्मिक स्थल की बावड़ी में तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने बावड़ी में शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बावड़ी से बाहर निकलवाया और पहचान की कार्रवाई शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने बताया कि गत 1 जून को कोली मोहल्ला निवासी रामदयाल कोली उम्र 74 वर्ष अचानक लापता हो गए थे। इसके बाद से ही परिजन उनकी लगातार तलाश कर रहे थे। गुरुवार सुबह उनका शव आत्माराम मुक्ति स्थल में स्थित बावड़ी में तैरता हुआ मिला। थाना प्रभारी चौधरी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद जब क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, तो बुजुर्ग रामदयाल कोली अकेले ही बावड़ी की तरफ जाते हुए नजर आए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया,जहां परिजनों कि मौजूदगी में मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किशनपुरा में 13 मोटरों की केबल चोरी

किसानों ने बरूदनी चौकी में सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

आकोला। ग्राम किशनपुरा के किसानों ने खेतों में लगातार हो रही केबल चोरी की घटनाओं को लेकर बरूदनी चौकी प्रभारी रणजीत सिंह मीणा को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की है। किसानों ने बताया कि अज्ञात चोरों ने कृषि कुओं पर लगी करीब 13 मोटरों की केबल चोरी कर ली, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

ज्ञापन में बताया गया कि चोरी की घटनाओं से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसानों में भय का माहौल बना हुआ है। किसानों ने चोरी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की।

इस दौरान रामनारायण सोमानी, माधूलाल धाकड़, कालूलाल अहीर, हीरालाल धाकड़, प्रभूलाल धाकड़, छितरलाल धाकड़, नानूराम धाकड़ एवं माधूलाल धाकड़ सहित कई किसान उपस्थित रहे।

चौकी प्रभारी रणजीत सिंह मीणा मीठालाल मीणा रवि जी चोधरीने किसानों को आश्वस्त किया कि मामले की गंभीरता से जांच कर जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

जोगणिया धाम में शिवशक्ति महायज्ञ व पाटोत्सव शुरू: विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ ने किया शुभारंभ, कंजर समाज धर्मशाला की रखी आधारशिला

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निकली भव्य कलश यात्रा, 7 दिनों तक गूंजेंगे नवार्ण महामंत्र; विधायक ने धर्मशाला निर्माण के लिए दिए 5 लाख रुपये

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा/बेगूं। मेवाड़ के सुप्रसिद्ध और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री जोगणियां माताजी शक्तिपीठ में गुरुवार से सप्त दिवसीय भव्य शिवशक्ति महायज्ञ एवं कलश प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव (पाटोत्सव) का ऐतिहासिक शुभारंभ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ आयोजित इस महोत्सव के प्रथम दिन श्रद्धा का ज्वार उमड़ पड़ा और भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ के मुख्य आतिथ्य एवं महंत सोहनगिरी बालोतरा के पावन सानिध्य में किया गया। इस दौरान धाम में कंजर समाज के उत्थान के लिए प्रस्तावित धर्मशाला की आधारशिला भी रखी गई।

11 लाख जपों से गुंजायमान होगा जोगणिया धाम, 10 जून को पूर्णाहुति:

जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंधन एवं विकास संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि इस सात दिवसीय पाटोत्सव के अंतर्गत विद्वान पंडितों की देखरेख में शतचंडी दुर्गापाठ, महारुद्र हवन, चतुर्वेद पारायण तथा नवार्ण महामंत्र के 11 लाख महाजप सहित विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में प्रतिदिन माता जी का अलौकिक श्रृंगार पूजन, महारुद्र अभिषेक, महाआरती एवं अखण्ड रामायण पाठ की अविरल धारा बहेगी। सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों की कड़ी में 6 जून को भव्य बगड़ावत भारत का मंचन होगा तथा 9 जून को विशाल भजन संध्या व रात्रि जागरण का आयोजन किया जाएगा। आगामी 10 जून को शिवशक्ति महायज्ञ की पूर्णाहुति, सहस्त्रधारा अभिषेक एवं विशाल महाप्रसादी के साथ इस भव्य महोत्सव का समापन होगा।

कंजर समाज धर्मशाला का शिलान्यास, विधायक मद से 5 लाख की घोषणा

धार्मिक महोत्सव के साथ ही जोगणियां माता धाम में समाज उत्थान की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया। क्षेत्रीय विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ के मुख्य आतिथ्य में कंजर समाज के लिए प्रस्तावित धर्मशाला निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर आधारशिला रखी गई। यह धर्मशाला जोगणिया माता शक्तिपीठ संस्थान द्वारा उपलब्ध करवाए गए भूखंड पर निर्मित होगी। इस मौके पर विधायक डॉ. धाकड़ ने धर्मशाला निर्माण हेतु अपने विधायक मद से तत्काल 5 लाख देने की बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि कंजर समाज को शिक्षा और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वे हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

समारोह में मप्र के कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त बाबूलाल बंजारा सहित कई दिग्गज रहे मौजूद

इस ऐतिहासिक शिलान्यास समारोह में मध्य प्रदेश विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतू समुदाय विकास अभिकरण के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त बाबूलाल बंजारा तथा घुमंतू समाज के प्रदेश अध्यक्ष मुन्ना नाथ जावरा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि शंभूलाल धाकड़, थानाधिकारी कमलचंद मीणा, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मदन गोपाल धाकड़, जिला परिषद सदस्य प्रभुलाल धाकड़, पूर्व पार्षद राजू लेंद्र सुराणा, दीपक पंचोली सहित रामसिंह बंजारा, रतनलाल, दिलीप बंजारा (राजसमंद), दिनेश बंजारा, सुनील कुमार बस, अनिल बंजारा और लखन विश्वकर्मा उपस्थित रहे। वहीं जोगणिया माता संस्थान के कन्हैयालाल मेवाड़ा, सूरजमल गुर्जर, सीताराम धाकड़, लक्ष्मण धाकड़, डॉ. सतीश शर्मा, महेश सोनी, रामनारायण मेवाड़ा, व्यव-स्थापक शंकर लाल धाभाई और महेंद्र सोलंकी सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिकों व भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अगरपुरा दुर्घटना, मृतक युवक की हुई शिनाख्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। नेशनल हाईवे 758 पर अगरपुरा गांव में बुधवार रात को एंबुलेंस की टक्कर से बाइक चालक युवक की मौत हो गई, मृतक युवक के शव की शिनाख्त हो गई, सदर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया । एएसआई रोहिताश्व कुमार ने बताया कि बुधवार रात को अगरपुरा गांव में बाइक व मिनी एंबुलेंस गाड़ी की टक्कर हो गई, जिसमें बाइक चालक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई । बाइक चालक मृतक युवक की पहचान मेस पिता बाबू भील उम्र 24 साल निवासी छतरपुर जिला गुना मध्यप्रदेश हाल मुकाम धुवाला, मांडल के रुप में हुई, मृतक युवक धुवाला में ईट भट्टे पर मजदूरी करता था । पुलिस ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द किया।

गंगापुर चिकित्सालय का एसडीएम गुर्जर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। सेटेलाइट चिकित्सालय गंगापुर का एसडीएम विवेक गुर्जर द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पीएमओ डॉ शरद नलवाया, बीसीएमएचओ डॉ विपिन शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संध्या नलवाया उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी गुर्जर ने चिकित्सालय की समस्त सुविधाओ व व्यवस्थाओं रजिस्ट्रेशन काउंटर, मेटरनिटी वार्ड, महिला/पुरुष वार्ड, औषधि भंडार, लेबोरेटरी, लेबर रूम, ट्रॉमा सेंटर के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की एवं उपस्थित मरीजो व परिजनों से बातचीत करके चिकित्सालय की व्यवस्थाओ का जायजा लिया।

डायलिसिस मशीन एवं ब्लड स्टोरेज यूनिट की सुविधा जल्द शुरू करने हेतु निर्देशित किया । उपखंड अधिकारी ने सफाई व्यवस्था को लेकर सुधारात्मक दिशा निर्देश दिए गए व सफाई ठेकेदार को सफाई हेतु पाबंद करने के सम्बंध में निर्देश दिए गए। आवश्यक सुविधाओ के विस्तार हेतु आगामी 'रूस बैठक में प्रस्ताव लिया जायेगा।

खतरे में नौनिहाल: जर्जर भवन में आंगनबाड़ी केंद्र, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

गुरला क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुरिया की आंगनबाड़ी केंद्र क्षतिग्रस्त हो गया है। आंगनबाड़ी केंद्र को ऐसी हालत में चलाना कार्यकर्ता और सहायिका की मजबूरी बन गया है। वही जल भराव से नन्हें-नन्हें बच्चों के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाते समय गंदे पानी में गिरने का डर बना रहता है। जिस कारण ग्रामीण अपने बच्चों को भेजना नहीं चाहते हैं। आंगन बाड़ी केंद्र की जर्जर छत के गिरने से होने वाले बच्चों के हादसे का शिकार होने का खतरा बना रहता है। वहीं भवन इस कदर जर्जर है, कि कभी भी कोई भी दुर्घटना हो सकती है। आंगन बाड़ी केंद्र अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। जर्जर भवन में कभी भी हादसे का शिकार हो सकता हैं। प्रदेश सरकार के छोटे-छोटे बच्चों के अच्छे विकास, पोषण और आरंभिक शिक्षा के पीछे बहुत बड़े पैमाने पर पैसे बहा रही है। इस काम के लिए कई योजनाएं भी चलाई जा रहीं हैं। ऐसे में बहुत सारे आंगनबाड़ी तो सुचारु रूप से संचालित होते हैं, लेकिन कई ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र भी हैं, जिनकी स्थिति देखकर प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान लग जाते है।वहीं ग्राम पंचायत रामपुरिया के वार्ड नं 7 गुर्जर मोहल्ला राजपुरा के आंगन बाडी केंद्र भी उन्हीं में से एक है, जो अव्यवस्थाओं की मार झेल रहा है, जिस भवन में आंगनबाड़ी केंद्र चल रहा है। वह खंडहर में तब्दील हो चुका है। आंगनबाड़ी केंद्र का भवन जर्जर हो चुका है। इसके बाद भी इस भवन में आंगनबाड़ी चल रही है। इस भवन की छत और दीवारों में मोटी-मोटी दरारें आ गई हैं। इससे दीवारें कमजोर पड़ने लगी हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राधा गुर्जर आशा सहायिका सीता देवी सेन ने बताया कि बारिश के मौसम में इसकी हालत और भी खराब हो जाती है। भवन की छत टपकती है। फर्श पर पानी भी जमा हो जाता है। ऐसी हालत में केन्द्र का सुचारू रूप से संचालन कर पाना अपने आप में एक चुनौती हो जाती है। वही बारिश के समय छत से पानी टपकने के कारण आंगनवाड़ी मे रखा सामान और कॉपी किताबें भीग जाती है।

बराणा ग्राम पंचायत में 5 करोड़ रुपये से अधिक के 22 विकास कार्यों का लोकार्पण, वंदे गंगा जल संरक्षण जन-जागरण अभियान का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। पंचायत समिति क्षेत्र की बराणा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर गुरुवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन-जागरण अभियान के शुभारंभ एवं पंचायत में पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक जब्बर सिंह सांखला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जिनका ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर एवं माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया। आसींद रोड स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित समारोह में ग्राम पंचायत द्वारा लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 22 से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। साथ ही जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों की जानकारी भी आमजन को दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जब्बर सिंह सांखला ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास एवं जनहित के कार्यों को सर्वोच्च

प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि बराणा ग्राम पंचायत में पिछले पांच वर्षों के दौरान जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रशासन एवं अधिकारियों के सहयोग से करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए गए हैं, जिनका लाभ सीधे ग्रामीणों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत क्षेत्र में आदर्श मॉडल तालाब, चारागाह विकास, पौधारोपण एवं जल संरक्षण जैसे कार्य प्रदेशभर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। विधायक सांखला ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पंचायत क्षेत्र में जिन विकास कार्यों की अभी आवश्यकता है उनकी सूची उपलब्ध कराई जाए, विधायक निधि से राशि उपलब्ध होते ही प्राथमिकता के आधार पर कार्य स्वीकृत करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य विष्णु कुमार पारीक ने कहा कि ग्राम पंचायत के विकास के लिए विधायक जब्बर सिंह सांखला ने निरंतर सहयोग प्रदान किया है। उनके प्रयासों से पंचायत क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है तथा सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ भी क्षेत्रवासियों को मिल रहा है।

इन विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

समारोह के दौरान ग्राम पंचायत बराणा एवं आसपास के गांवों में पूर्ण हुए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से– सामुदायिक पशु आश्रय स्थल, बराणा, आदर्श खेल स्टेडियम, बराणा, हजूरनाथजी के पास छाया स्थल, बराणा, रेबारी बस्ती छाया स्थल, बराणा, सामुदायिक भवन, बराणा, आंगनबाड़ी भवन, भाटीखेड़ा, सौर ऊर्जा पनघट, भील बस्ती हाथीसर, अटल ज्ञान सेवा केन्द्र, बराणा, खाद्यान्न भंडार भवन, बराणा, पनघट एवं सीसी रोड, भील बस्ती भाटीखेड़ा, ग्रामीण वन उपवन, रेबारी बस्ती, नाथों का मोहल्ला एवं जाटों का मोहल्ला में सीसी सड़क निर्माण कार्य, सुलवाड़ा एवं भाटीखेड़ा में सीसी सड़क निर्माण कार्य, जाटों का मोहल्ला, बराणा में सामुदायिक भवन आदि कार्य शामिल रहे।

दो महत्वपूर्ण सड़कों का शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान विधायक सांखला द्वारा क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया–एनएच-158 से लालसिंहजी का खेड़ा तक डामरीकरण कार्य आम्बा का रेला से दुदिया रोड तक डामरीकरण कार्य। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी परमजीत सिंह, विकास अधिकारी भंवर सिंह चारण, अशोक तलाईच, भगवती लाल जोशी, भाजपा मंडल अध्यक्ष फोजमल गुर्जर, मंडल अध्यक्ष पवन कुमार मुंगड़, ओमप्रकाश जाट (मोतीपुर), निंबाराम गुर्जर, नरेश सांड, बराणा प्रशासक सुखदेव भील, पूर्व सरपंच संगीता पारीक, सुगना रेबारी, सचिव रणजीत नावरिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं ग्राम विकास के संकल्प के साथ ग्रामीणों ने वंदे गंगा अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

करेड़ा तहसील के बड़डू गांव में एक साल से पेयजल संकट

ग्रामीण बूंद-बूंद को तरसे

स्मार्ट हलचल

आसींद। जिले की करेड़ा तहसील अंतर्गत नवसृजित ग्राम पंचायत बड़डू के ग्रामीण पिछले एक साल से गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे गांव में चंबल परियोजना की पाइपलाइन बिछी हुई है और उन्होंने कनेक्शन भी ले रखे हैं, बावजूद इसके पिछले एक साल से चंबल का पानी गांव में नहीं पहुंच रहा है।

तेज गर्मी में ग्रामीणों और मवेशियों की बढ़ी परेशानी

वर्तमान में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। जलस्रोत का कोई अन्य विकल्प न होने के कारण ग्रामीणों को पानी के लिए गांव से 1 से 2 किलोमीटर दूर भटकना पड़ रहा है। पानी की किल्लत से केवल ग्रामीण ही नहीं, बल्कि बेजुबान आवारा पशु भी बेहाल हैं, जो पानी की तलाश में दिनभर भटकते रहते हैं।

ग्रामीणों ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि भीषण गर्मी के बीच जल्द ही पेयजल आपूर्ति सुचारू नहीं की गई, तो क्षेत्र में जन-धन का बड़ा नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर चंबल परियोजना के तहत स्थायी पेयजल आपूर्ति बहाल करने की गुहार लगाई है। इसके साथ ही नजदी की गांव रामपूरा तथा बलिया खेड़ा मैं भी ऊंट के मुंह में जीरा जैसी कहावत लागू हो रही है 15 दिनों में एक बार पानी देखने को मिल रहा है।

सिमलिया क्षेत्र मे आये भारी तूफान से ग्रामीणों को नुकसान एवं मकानों के टीन शेड उड़ गए

स्मार्ट हलचल | कोटा

सिमलिया क्षेत्र में बुधवार शाम को आए तेज चक्रवर्ती बवंडर तूफान से आसपास के गांवों भौरा खेड़ा करिर ढाबा सिमलिया आदि गांवों में बवंडर ने जमकर तबाही मचाई जिसमें इन गांव में करीब 50 से अधिक बिजली के खम्बे में गिर गए और 50 से अधिक की बड़े-बड़े पेड़ टूट कर रास्तों में और मकान पर गिर गए तथा ढाबा गाँव में 3 मोटरसाइकिले दीवारे ओर पेड़ों के गिरने से चकनाचूर हो गई ढाबा गाँव में ही दो मकानों की दीवारें व पिंजरी ढह गई इन सभी गांवों में करीब 60 से 70 मकानों दुकानों के टीनशेड उड़ गए जिससे भारी नुकसान हुआ है तूफ़ान की रफ्तार इतनी थी कि टीन उड़कर 50 मीटर दूर तक चले जिससे प्रभावित करीब 10 गांवों की बिजली सप्लाई 24 घंटे बाद भी बहाल नहीं हो सकी भीषण गर्मी ओर पीने के पानी की सप्लाई बंद हो गई जिससे तूफान से प्रभावित गांवों में लोगों का बहुत नुकसान हुआ है घर खुले पड़े हैं अनाज भीग गया गनीमत रही कि कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ परंतु लोगों को आर्थिक नुक्सान बहुत हुआ है स्थानीय जिला परिषद सदस्य गीता मेघवाल ने गांवों के हालात जाकर देखे तो ग्रामीणों में सरकार ओर प्रशासन से काफ़ी नाराजगी जाहिर कि गाँवो में लोगों का बहुत नुकसान होने के बाद भी प्रशासन ने गांवों में पीड़ित परिवारों की कोई खबर नहीं ली जबकि बिजली पानी तक नहीं मिल रहा हैं और प्रशासन बेखबर होकर बैठा है इस पर गीता मेघवाल ने कहां की शीघ्र ही प्रशासन को अवगत करा कर सरकार से तूफ़ान से हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित परिवारों को उचित आर्थिक सहायता दिलानी तथा बिजली पानी की सप्लाई शीघ्र चालू कराने का विश्वास लोगो को दिलाया!

कलेक्टर के दौरे से पहले जागा प्रशासनः बरसों से कचरे में दबे रास्तों की आनन-फानन में सफाई, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। कस्बे में गुरुवार को आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम से पहले पंचायत प्रशासन की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।आज जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू मंगरोप में आमजन की समस्याएं सुनेंगे,लेकिन उनके आगमन से ठीक पहले कस्बे में वर्षों से उपेक्षित पड़े मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर अचानक सफाई अभियान शुरू होने से ग्रामीणों में नाराजगी दिखाई दे रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि जिन रास्तों और गलियों में लंबे समय से कचरे के ढेर लगे हुए थे,जहां नियमित सफाई व्यवस्था लगभग ठप पड़ी थी,वहां अब जनसुनवाई कार्यक्रम के एक दिन पहले युद्धस्तर पर सफाई करवाई जा रही है।लोगों का कहना है कि यदि पंचायत प्रशासन नियमित

रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करता तो कस्बे को इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।स्थानीय नागरिकों के अनुसार कस्बे के कई मार्ग लंबे समय से गंदगी,कचरे और अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था के कारण परेशानी का कारण बने हुए थे। कई बार शिकायतें करने के बावजूद स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ लेकिन जैसे ही जिला कलेक्टर के आगमन का कार्यक्रम तय हुआ, सफाई कर्मियों और संसाधनों को सक्रिय कर दिया गया।ग्रामीणों का कहना है कि यह सफाई अभियान आमजन की सुविधा के लिए नहीं बल्कि जिला कलेक्टर के सामने कस्बे की वास्तविक स्थिति छिपाने और प्रशासनिक छवि चमकाने का प्रयास प्रतीत होता है।उनका आरोप है कि पंचायत प्रशासन केवल वीआईपी दौरों और अधिकारियों के निरीक्षण के समय ही सक्रिय नजर आता है,जबकि सामान्य दिनों में समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जाता।कई ग्रामीणों ने मांग की है कि जनसुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर को कस्बे की वास्तविक समस्याओं से अवगत कराया जाएगा ताकि सफाई व्यवस्था,कचरा निस्तारण और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान हो सके। उनका कहना है कि केवल अधिकारियों के दौरे से पहले दिखावटी सफाई करने के बजाय पूरे वर्ष नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आज होने वाली जनसुनवाई में क्षेत्र के लोग सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, नालियों और अन्य जनसमस्याओं को लेकर भी अपनी बात जिला प्रशासन के समक्ष रखेंगे। वहीं कस्बे में अचानक शुरू हुई सफाई व्यवस्था चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग इसे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल मान रहे हैं।

वर्षों से सेवा दे रहे 48 नर्सिंग कर्मियों की सेवाएं समाप्त

कर्मचारियों ने शुरू किया धरना

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

महात्मा गांधी चिकित्सालय में प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत 48 नर्सिंग कर्मियों की सेवाएं समाप्त किए जाने के विरोध में बुधवार को अखिल राजस्थान कर्मचारी महासंघ (एकीकृत) के नेतृत्व में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर धरना दिया। कर्मचारियों ने सेवाएं बहाल करने की मांग करते हुए जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन भी सौंपा।

महासंघ के जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट के निर्देश पर कार्यकारी जिलाध्यक्ष अमित व्यास के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान नर्सिंग कर्मियों ने आरोप लगाया कि वे वर्षों से अस्पताल में मरीजों की सेवा कर रहे थे, लेकिन अचानक बिना किसी पूर्व सूचना के केवल एक फोन कॉल के माध्यम से उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इससे कर्मचारियों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे मात्र 7320 रुपये मासिक वेतन पर कार्य कर रहे थे, इसके बावजूद उन्होंने पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। कर्मचारियों ने विधायक अशोक कोठारी एवं सांसद दामोदर अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर सेवाएं पुनः बहाल करने और रोजगार सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। महासंघ पदाधिकारियों ने कहा कि यदि प्रशासन एवं संबंधित विभाग द्वारा जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में वे भूख हड़ताल शुरू करने को मजबूर होंगे।

इस दौरान कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी, नर्सिंग कर्मी एवं अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

इंटेक भीलवाड़ा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता संपन्न 45 छात्राओं ने लिया भाग

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटेक भीलवाड़ा चैप्टर द्वारा पीएमश्री राबाऊमावि बापू नगर में 'पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के 45 छात्राओं ने भाग लिया। इंटेक कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पॉलिथीन का उपयोग बंद कर कपड़े में थैलों का उपयोग करने, नए पौधे लगाने और पुराने पौधों को काटने से बचाने तथा पशु पक्षियों एवं पहाड़ों का संरक्षण करते हुए नदी तालाबों को अतिक्रमण व गंदगी मुक्त करने की प्रतिज्ञा दिलाई। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने पेड़-पौधों, वन्य जीवों एवं प्रकृति एवं उनमें निवास करने वाले पशु पक्षियों एवं जीव-जंतुओं का सजीव और कल्पनाशील चित्रण किया। प्रतियोगिता में पीएमश्री बापू नगर बालिका विद्यालय सहित 10 से अधिक विद्यालयों ने सहभागिता की। विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता नानकानी, डॉ ओम कुमारी चौहान, प्रतियोगिता प्रभारी अमर ज्योति, सीओ गाइड कांता धोबी का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में प्रथम डिंपल, द्वितीय तारा रेगर, तृतीय मनीषा कंवर रही। सीनियर वर्ग में प्रथम वंशिका लखानी, द्वितीय गायत्री धाकड़ एवं तृतीय खुशी जाट रही। प्रतिभागियों को इंटेक द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

पंडित त्रिलोक वशिष्ठ अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष अवार्ड से हुए सम्मानित

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

गांव बाई जट्ट निवासी ज्योतिषाचार्य पंडित त्रिलोक वशिष्ठ को अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष अवार्ड से नवाजा गया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में मां भुवनेश्वरी ज्योतिष वास्तु संस्थान में आयोजित हुए इंटरनेशनल ज्योतिष वास्तु अधिवेशन में पंडित वशिष्ठ को पंडित जी डी वशिष्ठ, कामाख्या बाबा अनिल त्यागी, डॉक्टर संतोष भार्गव व डॉक्टर अविनाश सुखंडे ने अवार्ड एवं पुरस्कार सामग्री भेंट कर सम्मानित किया। पंडित त्रिलोक वशिष्ठ को अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर सूरौठ क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

उमंग-7 अभियान के तहत दो बाल श्रमिक मुक्त, मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान पुलिस द्वारा बाल श्रम उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे उमंग-7 अभियान के तहत मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पटेल नगर स्थित द यूनिक कैफे से दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। कार्रवाई के बाद दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

जानकारी के अनुसार, मुक्त कराए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चंद्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव के समक्ष पेश किया गया। समिति के निर्देश पर बच्चों को संरक्षण एवं देखभाल के लिए राजकीय आश्रय गृह में भेजा गया।

अभियान के दौरान मानव तस्करी विरोधी इकाई के उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह राठौड़, उप निरीक्षक ओमप्रकाश सैन, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर सिंह तथा कांस्टेबल किशन सिंह ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक धर्मराज पतिहार के निर्देशन में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के सुपरवाइजर राधेश्याम गुर्जर, आनंद कुमार तथा नवाचार संस्थान के रेड एंड रेस्क्यू ऑफिसर भागवत सिंह चारण ने संयुक्त रूप से बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया। मुक्त कराए गए बच्चों की काउंसलिंग चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की काउंसलर निर्मला पुरोहित द्वारा की गई। मामले में संबंधित कैफे संचालक के खिलाफ प्रताप नगर पुलिस थाना में प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

सूरौठ। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष जतिन जोरवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राजकीय महाविद्यालय सूरौठ के नोडल अधिकारी डॉ अनिल अग्रवाल को छात्रों की समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कॉलेज की दश प्रमुख समस्याओं का उल्लेख किया गया है। इसमें मुख्य रूप से पानी-बिजली की किल्लत दूर करने, अंग्रेजी के शिक्षक की नियुक्ति करने, सभी विषयों की कक्षाएं नियमित चलाने, लाइब्रेरी, खेल मैदान, सीसीटीवी कैमरे, मुख्य द्वार पर सुरक्षा गार्ड और आईडी कार्ड जांच व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

मंगरोप जनसुनवाई में 22 परिवाद पहुंचे, सीएचसी, ग्रामीण बैंक और बाईपास यथावत को लेकर उठी प्रमुख मांगें

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। उपखंड अधिकारी अरुण जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को मंगरोप के अटल सेवा केंद्र में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत राज्य सरकार के जल बचाओ अभियान के तहत ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाकर की गई।जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 22 परिवाद प्राप्त हुए,जिनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।हमीरगढ़ तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी भंवरलाल सेन ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक गुरुवार को ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की जा रही है।प्राप्त परिवादों में 3 सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी),3 जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी),6 राजस्व विभाग,4

पंचायती राज विभाग तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें शामिल रहीं।वहीं माहेश्वरी समाज सेवा समिति ने भूखंड आवंटन की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

अवैध खनन मामले में कार्रवाई के निर्देश

मंगरोप क्षेत्र में अवैध पत्थर खनन और रॉयल्टी की कथित अवैध वसूली की शिकायत पर तहसीलदार भंवरलाल सेन ने नाका कर्मचारी को फटकार लगाई। साथ ही रॉयल्टी ठेकेदार को वैध दस्तावेजों सहित तहसील कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए।

जनगणना कार्य की समीक्षा

जनसुनवाई के दौरान चार्ज जनगणना अधिकारी सेन ने जनगणना कार्य में लगे सुपरवाइजरों एवं प्रगणकों से प्रगति रिपोर्ट ली।उन्होंने आंकड़ों की शुद्धता, गुणवत्ता एवं गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश देते हुए प्रत्येक जानकारी का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।साथ ही आमजन से सही एवं सटीक जानकारी देकर जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील की।

वर्षों पुरानी समस्या के समाधान को मिली मंजूरी

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामेश्वर लाल जीनगर ने बताया कि सुवाणा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान से गुजर रही वर्षों पुरानी हाईटेंशन विद्युत लाइन को हटाने की प्रशासनिक अनुमति उपखंड अधिकारी अरुण जैन द्वारा प्रदान कर दी गई है।इस निर्णय पर शिक्षा विभाग ने आभार व्यक्त किया।

संघर्ष समिति ने सौंपे महत्वपूर्ण ज्ञापन

मंगरोप संघर्ष समिति के संरक्षक प्रद्युम्न सिंह पुरावत,अध्यक्ष राघव सोमानी एवं सचिव राहुल खटीक ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मंगरोप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी)में क्रमोन्नत करने तथा इसके लिए भूमि आवंटित करने की मांग की।इसके अलावा समिति ने प्रस्तावित मंगरोप बाईपास को पूर्व निर्धारित सर्वे एवं प्रस्ताव के अनुसार यथावत रखने की मांग उठाई।समिति ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के जर्जर भवन को हटाकर नए भवन के निर्माण की मांग भी रखी।वहीं आईसीआई बैंक की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए ग्रामीणों के हित में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की शाखा खोलने संबंधी ज्ञापन भी सौंपा गया।

कार्यक्रम में विकास अधिकारी जितेंद्र गुरुनानी,अतिरिक्त विकास अधिकारी युगल किशोर शर्मा,मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामेश्वर लाल जीनगर विद्युत विभाग के सहायक अभियंता हवासिंह गुर्जर,पीएचईडी सहायक अभियंता प्रखर गोयल, पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता जयनारायण,बाल विकास अधिकारी सरोज तनोजिया,ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अंकित शर्मा,कृषि अधिकारी कजोड़मल गुर्जर,थाना प्रभारी विजय मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पंचायत प्रशासन कमली देवी गुर्जर, ग्राम विकास अधिकारी राम भंवर सिंह राणावत उपस्थित रहे।बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी जनसुनवाई में भाग लेकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं।

जनसुनवाई में स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठे। प्रशासन ने सभी परिवादों के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

मेड़ता रोड सीएचसी जर्जर भवन में चल रही स्वास्थ्य सेवाएं

स्मार्ट हलचल | एजाज़ अहमद

मेड़ता रोड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इन दिनों जर्जर भवन की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। भवन की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि मामूली बारिश में भी छत टपकने लगती है, जिससे अस्पताल में उपचार व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

सीएचसी के अंदर हालात यह हैं कि बारिश का पानी सीधे जांच मशीनों और चिकित्सा उपकरणों पर गिरता रहता है, जिससे न केवल उपकरणों के खराब होने का खतरा बढ़ गया है, बल्कि मरीजों की जांच और उपचार कार्य भी बाधित हो रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन करीब ढाई सौ से तीन सौ मरीजों की ओपीडी रहती है, ऐसे में जर्जर भवन की समस्या गंभीर रूप लेती जा रही है।स्थानीय लोगों और चिकित्सा स्टाफ का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक भवन के नवीनीकरण या नए निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे मरीजों और स्टाफ दोनों को परेशानी झेलनी पड़ती है।सबसे चिंताजनक बात यह है कि तीन वर्ष पूर्व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) से इसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के रूप में क्रमोन्नत किया गया था, लेकिन आज तक नया भवन नहीं बन सका है। पुराने भवन की जर्जर स्थिति अब स्वास्थ्य सेवाओं की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है।

लाडपुरा पीडब्ल्यूडी मुख्य सड़क पर गहरे गड्ढ़ों में तब्दील, ग्रामीण परेशान

गांव की मुख्य सड़क गड्ढों से भरी, लाडपुरा में आवागमन बाधित, ग्रामीणों को दुर्घटना का खतरा

लाडपुरा में पीडब्ल्यूडी सड़क 5 साल से जर्जर: गहरे गड्ढों से वाहन चालक परेशान, दुर्घटनाओं का खतरा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। पीडब्ल्यूडी मुख्य सड़क गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। पीडब्ल्यूडी की सड़क पिछले पांच साल से जर्जर हालत में है। इस क्षतिग्रस्त सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों लोग गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से परेशानी होती है। बरसात के पानी से भरे गड्ढ़े वाशिंदों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। वाहनों की आवाजाही से गड्ढे और भी चौड़े व गहरे बन गए हैं।

जिससे रोजाना गुजरने वाले वाहन चालकों और पदयात्रियों की जान जोखिम में डालकर गुजर रहे हैं। जिससे राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालक भी इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहे है। जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। जबकि मार्ग कस्बे के साथ ही डामटी, खोखरा तथा कस्बे के भारिण्डा, लाडपुरा और मांडलगढ़ रोड पर जाने का व्यस्ततम मार्ग है।

ग्रामवासियों ने प्रशासन से सड़क के तत्काल पुनर्निर्माण की मांग की है।

उनका कहना है कि सड़क के बनने से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और स्थानीय निवासियों व वाहन चालकों को सुगम आवागमन मिल पाएगा। समस्या के कारण सड़कों का निर्माण और रखरखाव में कमी, बारिश के कारण सड़कों का क्षरण, गड्ढ़ों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

ग्रामीणों की मांग सड़कों की तत्काल मख्मत, गड्ढ़ों को भरने के लिए विशेष अभियान, सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए। पीडब्ल्यूडी की योजना सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का लक्ष्य, सड़कों के निर्माण और रखरखाव में सुधार, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की विशेष देखभाल होनी चाहिए। ग्राम लाडपुरा में 1.60 किलोमीटर लंबाई एवं 5.50 मीटर चौड़ाई की सीसी सड़क निर्माण का कार्य प्रमुख है, जिसके लिए 150 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। निर्माण कार्यों के लिए लाखों रुपये की स्वीकृतियां जारी की गई थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क के इस क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में आवागमन सुचारू और सुरक्षित हो सके।

छात्रों के भविष्य को देखते हुए पुनर्विचार करे सरकार, अन्यथा लेंगे न्यायालय की शरणः डॉ. अशोक गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में नवीन प्रवेश पर रोक को चैयरपर्सन ने बताया अनुचित

स्मार्ट हलचल| चित्तौडगढ

राजस्थान सरकार की ओर से गंगरार स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश पर आगामी आदेश तक रोक लगाने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस एकपक्षीय कार्रवाई को लेकर मेवाड़ विश्वविद्यालय के चैयरपर्सन डॉ. अशोक गदिया ने उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव को एक कड़ा पत्र लिखकर सरकार के इस निर्णय पर तुरंत पुनर्विचार करने की मांग की है। गदिया ने साफ शब्दों में चेताया है कि यदि सरकार ने छात्र हित में इस अनुचित निर्णय को वापस नहीं लिया, तो छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को मजबूरन न्यायालय की शरण लेनी होगी।

अभी सिर्फ जांच विचाराधीन, एक भी दोष सिद्ध नहीं हुआः

चैयरपर्सन डॉ. अशोक गदिया ने पत्र में स्पष्ट किया है कि मेवाड़ विश्वविद्यालय के विरुद्ध जिन मामलों की जांच की जा रही है, उनमें से अभी तक एक भी मामले में दोष सिद्ध नहीं हुआ है। विभाग की ओर से जो कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उसका जवाब देने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है। लेकिन बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जवाब की अवधि पूरी होने से पहले ही विभाग ने जल्दबाजी में नवीन प्रवेश पर रोक का दंडात्मक आदेश जारी कर दिया। गदिया ने कहा कि केवल लंबित जांच और आरोपों के आधार पर प्रवेश रोकना पूरी तरह से गैर-कानूनी और द्वेषतापूर्ण कार्रवाई को दर्शाता है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के सरासर खिलाफ है।

डॉ. गदिया ने विश्वविद्यालय का पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि यदि किसी कर्मचारी या अधिकारी की ओर से व्यक्तिगत स्तर पर कोई अवैध या अनियमित कार्य किया जाता है, तो उसके खिलाफ कानून सम्मत कठोरतम कार्रवाई करने पर हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन किसी व्यक्ति विशेष के कृत्य के लिए संपूर्ण विश्वविद्यालय को जिम्मेदार ठहराना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। सरकार के इस एकपक्षीय निर्णय से वर्तमान में अध्ययनरत करीब दस हजार छात्र-छात्राओं का भविष्य दांव पर लग गया है, जिससे उनके शैक्षणिक सत्र और रोजगार के अवसरों पर बेहद विपरीत और दुष्प्रभाव पड़ेगा।

चैयरपर्सन ने तकनीकी पहलुओं को उजागर करते हुए बताया कि उच्च शिक्षा विभाग की गठित जांच समिति द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस केवल दो विशिष्ट पाठ्यक्रमों (डीएईएसआई एवं पीएचडी) तक ही सीमित रहा है। अन्य किसी भी पाठ्यक्रम को लेकर कोई नोटिस नहीं दिया गया, ऐसे में विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों के नवीन प्रवेश पर पूर्ण रोक लगाना पूरी तरह से अतार्किक है।

हमीरगढ़ मंडल में आत्मनिर्भर मंडल बैठक का आयोजन

संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों पर हुई विस्तृत चर्चा

स्मार्ट हलचल|हमीरगढ़

भारतीय जनता पार्टी हमीरगढ़ मंडल की आत्मनिर्भर मंडल बैठक का आयोजन बरडोद में किया गया। इस बैठक में संगठनात्मक मजबूती, कार्य विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा विस्तारक सज्जन सिंह जी तथा मंडल पालक एवं जिला मंत्री मांगीलाल जी गुर्जर ने उपस्थित मंडल पदाधिकारियों को संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा आने वाले समय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रणनीति पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर हमीरगढ़ मंडल अध्यक्ष लालाराम जी गाडरी, मंडल महामंत्री विष्णु जी ओझा, जिला मंत्री (ओबीसी मोर्चा) नारायण लाल जाट, मंडल उपाध्यक्ष राकेश सुथार, रामेश्वर अहीर, राजेंद्र सिंह, गीता देवी शर्मा, मंडल मंत्री भूरालाल, देवीलाल रेगर, कन्हैया लाल तेली, भीमराज भील, सोशल

मीडिया संयोजक अभिषेक व्यास, शक्ति केंद्र संयोजक गोपाल लाल शर्मा, बनवारी सिंह, महिला मोर्चा संयोजक डिंपल ट्रेलर, निकिता छिपा, भंवर जी गाडरी, पवन जी सेन, शंकर लाल सुथार, रामेश्वर जी तेली, भीमराज जी सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान को तेज करने तथा आगामी राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया।

महेश नवमी महोत्सव शोभायात्रा समिति की बैठक संपन्न

व्यवस्था, सुरक्षा, शिव परिवार झांकी और आयोजन से संबंधित विषयों पर की चर्चा

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। श्री महेश नवमी महापर्व पर निकलने वाली शोभायात्रा हेतु शोभायात्रा समिति की बैठक महोत्सव समिति के सह संयोजक सुरेश बिरला व केजी राठी, शोभायात्रा संयोजक सुभाष बाहेती के सानिध्य में श्री महेश शिक्षा सदन में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से शोभायात्रा की व्यवस्था, सुरक्षा और आयोजन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान समिति के करीब सभी सदस्य उपस्थित थे। मुख्य प्रभारी लोकेश आगाल ने बताया की बैठक में शोभायात्रा

का मार्ग क्या रहेगा उसकी जानकारी दी गई। जल व्यवस्था झांकियों की व्यवस्था, टेंपो, माइक हाथी, घोड़े, ऊंट ध्वज, पताकाएं, बैनर बैंड एवं ढोल ई-रिक्शा शिव परिवार में से किसी की भी प्रतिमूर्ति बनकर आने वालों की प्रतियोगिता, शोभा यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था, शोभायात्रा के पीछे पीछे स्वच्छता के लिए व्यवस्था आदि विषयों पर विचार कर कार्य विभाजन किया गया। शोभायात्रा में आगे से लेकर पीछे तक की क्या रचना रहेगी उस पर चर्चा की गई। गत वर्षों के अनुभव के आधार पर शोभायात्रा मार्ग में किसी प्रकार की खाद्य एवं पेय पदार्थ नहीं देने का सर्व सहमति से निर्णय किया गया। मीटिंग में शोभायात्रा समिति सदस्य सुरेश लढ़ा, शुभम कालिया, सुरेश बिड़ला, गोपाल सोमानी, राजेन्द्र गंदोडिया, कृष्ण गोपाल लढ़ा, कमलेश जाजू सहित मातृशक्ति से मधु लढ़ा, उषा सोमानी, उषा सोनी, रेनू कोगटा, अनुपमा मंत्री, मधु बहेड़िया, सीमा सोमानी, मधु बांगड़ व कई सदस्य उपस्थित रहे। अंत मे संयोजक सुभाष बाहेती ने सभी सदस्यों एवं श्री महेश सेवा समिति भीलवाड़ा का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

टोंक की बेटी दक्षिणा जोशी का जलवा : 4 गोल्ड और 1 सिल्वर जीता

75वीं सीनियर एक्वेटिक चैंपियनशिप में तीन स्पर्धाओं के रिकॉर्ड तोड़े-जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

टोंक/टोडारायसिंह/जयपुर। राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम के तरणताल में आयोजित 75वीं सीनियर एक्वेटिक चैंपियनशिप में टोंक जिले की होनहार तैराक दक्षिणा जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण पदक एवं एक रजत पदक अपने नाम कर नया इतिहास रच दिया।

प्रतियोगिता में दक्षिणा ने 50 मीटर, 100 मीटर एवं 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धाओं में पूर्व के रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। तीन दिनों तक चली इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने टोंक जिले का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया और खेल जगत में नई पहचान दिलाई। प्रतियोगिता के

समापन समारोह में राजस्थान सरकार के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दक्षिणा जोशी को पदक एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया तथा आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दक्षिणा जोशी पिछले कई वर्षों से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की तैराकी प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करती आ रही हैं। वर्ष 2024 में उन्होंने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। वहीं वर्ष 2025 की स्कूली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी पदक हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया। लगातार मिल रही सफलताओं के चलते उन्हें राजस्थान की तैराकी का उभरता हुआ सितारा माना जा रहा है। समापन समारोह में टोंक स्विमिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी कैलाश स्वामी भी उपस्थित रहे। वहीं अनिल व्यास ने दक्षिणा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें एवं टोंक जिले को शुभकामनाएं दीं। खेल प्रेमियों और जिलेवासियों ने दक्षिणा की इस सफलता को टोंक जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

औद्योगिक भूखण्डों के डायरेक्ट अलॉटमेंट का ग्यारहवां चरण प्रारम्भ

स्मार्ट हलचल |उदयपुर

जिले में रीको द्वारा विकसित किये गये विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्डों के आरक्षित मूल्य पर चार औद्योगिक क्षेत्रों के कुल 196 औद्योगिक भूखण्डों का प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अन्तर्गत ग्यारहवां चरण की प्रक्रिया बुधवार 3 जून से प्रारंभ की गई है। इसमें औद्योगिक क्षेत्र कलडवास (विस्तार), आमली, औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा (भीण्डर) व श्रीराम जानकी औद्योगिक औद्योगिक क्षेत्र, माल की टूस के औद्योगिक भूखण्ड शामिल हैं। इसके अन्तर्गत धरोहर राशि 3 से 16 जून तक प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक जमा कराई जा सकेगी एवं किसी भी भूखण्ड पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर ई-लॉटरी 22 जून को की जायेगी।

रीको के अतिरिक्त महाप्रबन्धक अजय पण्ड्या ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र कलड़वास (विस्तार) में 2 औद्योगिक भूखण्ड, औद्योगिक क्षेत्र आमली में 62 औद्योगिक भूखण्ड, औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा (भीण्डर) में 90 औद्योगिक भूखण्ड एवं औद्योगिक क्षेत्र श्रीराम जानकी माल की टूस में 42 औद्योगिक भूखण्ड, को इस प्रत्यक्ष आंवटन योजना के ग्यारहवां चरण में रखा गया हैं। जिसमें अनुसूचित जाति/जनजाति के लिये 6 भूखण्ड, महिला उद्यमियों के लिये 6 भूखण्ड, भूतपूर्व सैनिको। के लिये 1 भूखण्ड, बैचमार्क दिव्यागंजनों के लिये 4 भूखण्ड तथा सशस्त्र बलों के शहीदों के आश्रितों के लिये 1 भूखण्ड आरक्षित है।

इस प्रत्यक्ष आवंटन योजना के ग्यारहवें चरण में शामिल औद्योगिक क्षेत्र श्रीराम जानकी माल की टूस तथा सगतपुरा (भीण्डर) के औद्योगिक भूखंडों पर फ्लेक्सिबल लैण्ड लीज पॉलिसी के अन्तर्गत आवंटन दर की 60 प्रतिशत दर पर 33 वर्ष की लीज अवधि के लिये किया जायेगा, जिससे निवेशकों को कम दर पर भूमि उपलब्ध हो सकेगी।

अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री पण्ड्या ने बताया कि राइजिंग राजस्थान में इस योजना की अन्तिम तिथि 16 जून 2026 तक एमओयू करने वाले सभी निवेशक इस योजना में आवेदन करने हेतु पात्र होंगे। सफल आवेदकों को प्रस्ताव पत्र की 25 प्रतिशत राशि जमा कराने के बाद शेष 75 प्रतिशत राशि का भुगतान 19 त्रैमासिक किश्तों में मय ब्याज 8.50 प्रतिशत के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान की सुविधा है। साथ ही सफल आवेदकों द्वारा 25 प्रतिशत राशि जमा कराते ही आवंटन पत्र व भूखण्ड का कब्जा भी प्रदान कर दिया जायेगा। इसके अलावा जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र द्वारा राज्य सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ भी प्राप्त किया जा सकेगा।

भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करते समय प्रारम्भ भूखण्ड का 360 डिग्री फोटो व्यू एवं गुगल लोकेशन भी दिखेगा, जिससे आवेदकों को भूखण्ड के आस-पास की पूरी स्थिति की जानकारी प्राप्त होने के साथ भूखण्ड के चयन करने व आवेदन करने में आसानी होगी। अधिक जानकारी के लिए रीको कार्यालय, उदयपुर में सम्पर्क किया जा सकता है।

अवैध जल कनेक्शन मामले में कुचेरा थाने में एफआईआर दर्ज

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड क्षेत्र में जलदाय विभाग द्वारा पकड़े गए अवैध जल कनेक्शन मामले में अब विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए पुलिस कार्रवाई भी शुरू कर दी है। इस संबंध में विभाग की ओर से भेरुराम पुत्र भवरुराम भाकर निवासी ढावा के खिलाफ कुचेरा पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

यह मामला मेड़ता रोड पम्प हाउस से ढावा उच्च जलाशय तक जाने वाली 150 एमएम राइजिंग पाइपलाइन में किए गए अवैध जल कनेक्शन से जुड़ा है। विभागीय जांच में सामने आया था कि मुख्य जलापूर्ति लाइन से बिना अनुमति पानी लिया जा रहा था, जिससे सरकारी जल आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी।

अवैध कनेक्शन सामने आने के बाद जलदाय विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कनेक्शन को तत्काल प्रभाव से हटा दिया था और पाइपलाइन को पुनः व्यवस्थित किया था। इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई।

एईएन निशा बुगालिया ने बताया कि अवैध जल कनेक्शन जैसे मामलों में विभाग पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों की चोरी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

दो वर्ष से फरार टॉप-10 आरोपी सहित दो गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। भूपालसागर थाना पुलिस ने ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए गोवंश के अवैध परिवहन के मामले में दो वर्ष से फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक आरोपी थाना भूपालसागर की टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल था।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि महानिरीक्षक रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के अभियान के तहत एएसपी मुकुल शर्मा व डीएसपी कपासन हरजी लाल यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी घेवरचन्द द्वारा गोवंश के प्रकरण में दो वर्ष से फरार वांछित आरोपी रोडु उर्फ रोडा पिता काना बंजारा निवासी आजाद नगर पुलिस थाना प्रताप नगर जिला भीलवाड़ा, राजू उर्फ राजेन्द्र उर्फ रायसिंह पिता गोवर्धन उर्फ गोदु बंजारा निवासी बोरड़ा शाहपुरा जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें रोडु उर्फ रोडा बंजारा थाने के टॉप-10 में वांछित था। उल्लेखनीय है कि 12 दिसंबर 2024 की रात्रि 9 बजे गिलुण्ड से सुरजपुरा की तरफ आ रहे ट्रक से पुलिस ने 21 बैल बचा कर गौशाला भिजवाए थे। पुलिस कार्यवाही के दौरान ट्रक से दो व्यक्ति फरार हो गए थे। जिन्हे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

डीएमएफटी की 12वीं शासी परिषद की बैठक आयोजित

250 करोड़ के कार्यों के प्रस्ताव, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र को मिली प्राथमिकता

राज्य सरकार से अनुमति के बाद अस्पताल में रिक्त पदों पर डीएमएफटी मद से चिकित्सा कर्मियों की नियुक्ति का रास्ता हुआ साफ

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की 12वीं शासी परिषद की बैठक गुरुवार को जिला परिषद सभागार में डीएमएफटी अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में ट्रस्ट की आय-व्यय, पूर्व बैठकों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न विभागों के नवीन प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, गोगुंदा विधायक प्रताप गमेती, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, मावली विधायक पुष्करलाल डांगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिला परिषद एसीईओ विरमा राम ने बताया कि बैठक में करीब 250

करोड़ रुपये के प्रस्ताव बैठक में रखे गए। साथ ही गत वर्षों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। डीएमएफटी मद अंतर्गत वर्ष 2017 से अब तक विभिन्न विभागों में करीब 1069 करोड़ रुपए के विकास कार्य कराए जा चुके हैं।

लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश. शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल पर विशेष फोकस

जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने पूर्व में स्वीकृत कार्यों की लंबित तकनीकी स्वीकृतियां शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर आमजन को लाभ प्रदान करें। उन्होंने विशेष रूप से विद्यालयों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां समाप्त होने से पूर्व शिक्षा विभाग से संबंधित निर्माण कार्य पूर्ण करने का सुझाव दिया।

डीएमएफटी से चिकित्सालयों के रिक्त पद भरने का मार्ग प्रशस्त

बैठक में सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने जानकारी दी कि राज्य सरकार से आवश्यक अनुमति प्राप्त होने के बाद डीएमएफटी मद से स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर चिकित्सा कर्मियों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। बैठक में जिला अस्पताल में एमआरआई मशीन स्थापित करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया गया। इसके अलावा बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल तथा आधारभूत संरचना विकास से जुड़े विषय प्रमुखता से उठाए गए। जनप्रतिनिधियों ने विद्यालयों में आवश्यक भवन, कक्षाकक्ष, पेयजल सुविधाओं तथा अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने डीएमएफटी मद से संसदीय संकुल स्थापना, ब्लॉक स्तर पर युवाओं के लिए लाइब्रेरी निर्माण, बावड़ियों के निर्माण, चारागाह विकास, आईटीआई में कौशल विकास केंद्रों के संचालन तथा एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की संभावनाओं पर भी विचार करने का सुझाव रखा।

जोशी ने दिया सुरक्षित विद्यालय भवनों का सुझाव

चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने राज्य स्तर पर लंबित प्रकरणों की स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त करने पर बल देते हुए कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के बैठने हेतु पर्याप्त एवं सुरक्षित भवन उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने विद्यालयों में जर्जर कक्षा-कक्षों एवं भवनों की स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया। साथ ही जयसमंद से आने वाली पेयजल आपूर्ति की लगभग 800 मीटर लंबी पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत की आवश्यकता भी बताई। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन एवं ग्रामीण विधायक ने शहर के विभिन्न स्थानों पर आवश्यकता अनुसार सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने का प्रस्ताव रखा ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ने पूर्व में स्वीकृत एवं वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने डबोक चैराहे पर डाक बंगले के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा। गोगुंदा विधायक प्रताप गमेती ने विद्यालयों से संबंधित स्वीकृत कार्यों की प्रगति की प्रतिमाह समीक्षा बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया ताकि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो सके। साथ ही उन्होंने हैंडपंप मरम्मत कार्यों के लिए भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। जिला कलेक्टर अग्रवाल ने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्ताव एवं सुझावों के आधार पर डीएमएफटी के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और आधारभूत संरचना से जुड़े विकास कार्यों को गति देने तथा आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पेट दर्द लेकर अस्पताल पहुंचा 13 वर्षीय बालक, ऑपरेशन में निकली सिलाई की सुई

स्मार्ट हलचल |चित्तौड़गढ़

एमपी बिरला हॉस्पिटल, चित्तौड़गढ़ में चिकित्सकों के सामने एक बेहद दुर्लभ और चौंकाने वाला मामला सामने आया, जहां पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंचे 13 वर्षीय बालक के शरीर से ऑपरेशन के दौरान कपड़े सिलने वाली बड़ी सुई निकाली गई। समय रहते सर्जरी होने से बालक की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार चित्तौड़गढ़ निवासी 13 वर्षीय बालक को उसके परिजन पेट के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत के बाद एमपी बिरला हॉस्पिटल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। अस्पताल में वरिष्ठ सर्जन डॉ. बी.एल. बैरवा ने बालक की जांच की तो पेट के निचले हिस्से में किसी नुकीली धातु जैसी वस्तु फंसी

होने की आशंका हुई।

प्रारंभिक पूछताछ में बालक ने बताया कि उसने कपड़े सिलने वाली सुई निगल ली थी। हालांकि डॉ. बैरवा को यह बात संदिग्ध लगी। उनका कहना था कि इतनी बड़ी सुई का निगलना और फिर शरीर के उस हिस्से तक पहुंच जाना चिकित्सकीय दृष्टि से अत्यंत असामान्य है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया पासपोर्ट केन्द्र का शुभारम्भ

बून्दी को मिली पासपोर्ट सेवा केंद्र की सौगात, अब नहीं जाना होगा कोटा-जयपुर

स्मार्ट हलचल | बून्दी

बून्दी में नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैनवां रोड स्थित प्रधान डाकघर में विदेश मंत्रायल की ओर से स्थापित पासपोर्ट सेवा केंद्र का शुभारंभ किया। इस केंद्र के प्रारंभ होने से अब बून्दी एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए कोटा व जयपुर की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।

इस अवसर पर बिरला ने कहा कि पहले बून्दी के नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए जयपुर जाना पड़ता था। लंबी कतारों में लगना पड़ता था और कई बार दो-दो दिन तक रुकना भी पड़ता था। 2023 में हमने कोटा में प्रदेश के दूसरे क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय की शुरूआत की और अब यह सुविधा

बून्दी में उपलब्ध होने से नागरिकों का समय, श्रम और धन तीनों की बचत होगी।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पासपोर्ट केवल विदेश यात्रा का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिक की पहचान और विश्वसनीयता का भी महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा विशेष रूप से विद्यार्थियों, युवाओं, व्यापारियों, पेशेवरों तथा विदेश यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

सरल और सुलभ हुई पासपोर्ट सेवा

बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पासपोर्ट सेवाओं का निरंतर विस्तार हुआ

है, जिससे ये सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी, त्वरित और नागरिकों के अधिक निकट पहुंची हैं। कोटा में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय का लाभ राजस्थान के 16 जिलों के नागरिकों को मिल रहा है। पिछले तीन वर्षों में लगभग दो लाख पासपोर्ट जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में ई-पासपोर्ट व्यवस्था की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही है, जिससे नागरिकों को और अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

बून्दी में दिखेगा बड़ा परिवर्तन

बिरला ने कहा कि बून्दी अपनी समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान रखती है। हमारा प्रयास है कि विरासत के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का भी विस्तार हो। पर्यटन, आधारभूत सुविधाओं और एग्रो आधारित उद्योगों के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, जिससे जिले में रोजगार और नए अवसरों का सृजन हो सके। जब देश-दुनिया से पर्यटक बून्दी आएंगे, तो वे यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास और परिवर्तन की नई तस्वीर भी देखेंगे। इस दौरान पूर्व विधायक अशोक डोगरा, भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, विदेश मंत्रायल की सचिव, श्रीप्रिया रंगनाथन, जिला कलक्टर हरफूल यादव, पोस्ट मास्टर जनरल (दक्षीणी क्षेत्र) बीएल सोनल, पासपोर्ट सेवा प्रोजेक्ट निदेशक अर्जुन देवरे, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विपुल देव आदि मौजूद रहे।

फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को मेस भत्ता प्रदान किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

सांगोद। (इंटक) जिला कोटा के जिला अध्यक्ष हेमंत कुमार दाधीच के नेतृत्व में अतिरिक्त कमिश्नर श्री हरविंदर सिंह डिल्लन,नगर निगम कोटा के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि राजस्थान के फायर ब्रिगेड कर्मचारी निरंतर आपातकालीन सेवाओं में कार्यरत रहते हैं तथा आगजनी, दुर्घटनाओं एवं अन्य आपदा स्थितियों में अपनी जान जोखिम में डालकर जनसेवा करते हैं। उनकी कठिन एवं चुनौतीपूर्ण कार्य परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें मेस भत्ता प्रदान किया जाना न्यायोचित है।

इंटक पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की कि राज्य के समस्त फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को शीघ्र मेस भत्ते का लाभ प्रदान करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए, जिससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़े तथा वे और अधिक समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे सकें।

इस अवसर पर यूथ इंटक जिला अध्यक्ष आशीष कुमार वैष्णव ने संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरकार से कर्मचारियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा व्यक्त की ज्ञापन देने वालों में फायरमैन जियाउद्दीन फायरमैन मुकेश चौबदार आफाक मोहम्मद अशोक मीणा पवन कुमार, मंजू शर्मा, भवानी सिंह विकास नामा अमजद पठान मनीष कुमार आदि फायर स्टाफ मौजूद रहे।

पुलिस ने 101 गुमशुदा मोबाइल बरामद-परिवादियों को लौटाए

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा (आईपीएस) के निर्देशन में चलाए जा रहे 'टोंक पुलिस आपके साथ-आपका मोबाइल आपके हाथ' अभियान के तहत टोंक पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने लगभग 18 लाख 50 हजार रुपये की अनुमानित कीमत के 101 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए।

साइबर सेल टोंक एवं थाना स्तर की साइबर प्रहरी टीमों के संयुक्त प्रयासों से विभिन्न स्थानों से इन मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया गया। अपने मोबाइल वापस मिलने पर परिवादियों के चेहरों पर खुशी लौट आई और उन्होंने टोंक पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा ने बताया कि आमजन की संपत्ति की सुरक्षा एवं गुमशुदा मोबाइलों की शीघ्र बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है।उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भविष्य में भी इसी प्रकार की प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

चोरू में फूटा जनता का आक्रोश,नेशनल हाईवे-116 पर दो घंटे चक्का जाम

प्रशासन की समझाइश पर मिला आश्वासन-करीब दो घंटे बाद समाप्त हुआ जाम- रोडवेज की सभी बसों का संचालन अब चोरू बस स्टैंड से होगा

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। जिले के उनियारा उपखंड के अलीगढ़ थाना क्षेत्र स्थित चोरू कस्बे में गुरुवार को रोडवेज बसों के कस्बे के अंदर बस स्टैंड से संचालन नहीं होने से नाराज ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। जनसेवक गणेश शर्मा एवं पंचायत समिति सदस्य फोरूलाल मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता हरीश मीणा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं महिलाएं टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे-116 पर एकत्र होकर धरने पर बैठ गए और चक्का जाम कर दिया।

ग्रामीणों का आरोप था कि चोरू बस स्टैंड से रोडवेज बसों का नियमित संचालन सुनिश्चित कराने के लिए मुख्यमंत्री, विधायक, जिला प्रशासन तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। बीते 2 जून को भी जनसेवक गणेश शर्मा चोरू, पंचायत समिति सदस्य फोरूलाल मीणा सहित ग्रामीणों ने एक दिवसीय धरना एवं अनशन कर रोडवेज प्रबंधन और प्रशासन को चेतावनी दी थी कि दो दिन के भीतर बसों का संचालन कस्बा चोरू होकर नहीं कराया गया तो 4 जून से स्थायी

समाधान की मांग को लेकर हाईवे जाम किया जाएगा और जनहित समस्या को लेकर आरपार की लड़ाई लड़ेंगे। इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया। हाईवे जाम के चलते दोनों ओर दर्जनों वाहनों की लंबी कतारें लग गई और करीब दो घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। हाईवे जाम की सूचना मिलते ही उनियारा पुलिस उपाधीक्षक आकांक्षा चौधरी एवं तहसीलदार अलीगढ़ धर्मेन्द्र तसेरा मौके पर पहुंचे।प्रशासनिक अधिकारियों ने जनसेवक गणेश शर्मा, पंचायत समिति सदस्य फोरूलाल मीणा तथा ग्रामीणों से वार्ता कर रोडवेज अधिकारियों से चर्चा की। वार्ता के दौरान प्रशासन एवं रोडवेज प्रबंधन ने ग्रामीणों की मांगों पर सहमति जताते हुए आश्वासन दिया कि टोंक-सवाई माधोपुर रूट की कुछ बसों का संचालन गुरुवार से ही चोरू बस स्टैंड होकर किया जाएगा तथा शुक्रवार, 5 जून से सभी रोडवेज बसों का नियमित संचालन चोरू बस स्टैंड से सुनिश्चित किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों की पूर्व शिकायतों के आधार पर अप्रैल माह में ही चालक एवं परिचालकों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन आदेशों का पूर्ण रूप से पालन नहीं हो पाया। अब इन आदेशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित कराई जाएगी।प्रशासन की ओर से मिले आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने करीब दो घंटे बाद जाम समाप्त कर दिया, जिससे हाईवे पर यातायात पुनः सुचारू हो गया।इस दौरान अलीगढ़ एवं उनियारा थानों का पुलिस जाप्ता भी मौके पर तैनात रहा। भीषण गर्मी के बीच जाम खुलने के बाद प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

मानव जीवन के कल्याण के अनेक साधनों में भक्ति ही सर्वोपरि है:- दिव्य मुरारी बापू

स्मार्ट हलचल

देवली। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर देवली के अटल उद्यान स्थित टीनशैड प्लेटफार्म पर चल रही 15 दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा ज्ञानयज्ञ महामहोत्सव में कथा वाचन कर रहे महामंडलेश्वर 1008 श्री श्री दिव्य मुरारी बापू ने कहा कि रामायण में शिव चरित्र का विशेष महत्व है। शिव चरित्र से जीवन जीने की कला सीखने को मिलती है, जिस व्यक्ति ने जीवन जीने की कला सीख ली है, वह जहां भी रहेगा, वहीं पर सुखी रहेगा। उन्होंने कहा कि महाभारत में दुर्योधन ने हमेशा पांडवों का बुरा चाहा, लेकिन युधिष्ठिर ने कभी भी दुर्योधन का बुरा नहीं चाहा, इसलिए युधिष्ठिर को अजातशत्रु कहा गया है। रामायण में संत के पांच लक्षणों का वर्णन किया गया है। संतों की महिमा बताते हुए कहा कि भगवान की पूजा के साथ साथ संतों की सेवा नहीं करने पर पूजा अधूरी मानी जाती है, लेकिन संतों की पूजा करने पर संत के मन में बैठे भगवान की भी पूजा हो जाती है। जैसे गर्भ के बालक को खुश रखने के लिए गर्भवती महिला की सेवा करना बताया है। भगवान शिव अपने मंगलमय चरित्र से पूरे संसार को भक्ति की शिक्षा देते हैं। कल्याण के अनेक साधन है जिसमें भक्ति सर्वोपरि है। भक्ति चिंतामणि है, जिसके घर में बस जाती है, उनके यहां सदैव प्रकाश ही प्रकाश रहता है। मोह रूपी दरिद्रता मिट जाती है। अज्ञान का अंधेरा सदा के लिये समाप्त हो जाता है। मदादि पतंगे इससे हार जाते हैं। काम आदि चोर, चोरी करने के लिये पास नहीं आ सकते। भक्ति मणि के प्रभाव से विष भी अमृत के समान हो जाता है। जीवन का दर्शन ही बदल जाता है। भक्त अभय हो जाता है। यदि जीव को भक्ति मणि मिल जाये तो अज्ञान की गांठ छूट जायेगी और जीवन कृत-कृत्य हो जायेगा। जहां भेद है, वहीं भय दिखाई देता है। जब सबके भीतर प्रभु बैठे हैं, तो डर किसका? बैर किसके साथ? इस दौरान कथा के बीच किए गए कीर्तन पर महिलाओं ने नृत्य किया। कथा का समापन आरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

महंगाई, अफीम नीति और सांसद सुरक्षा बहाली को लेकर आरएलपी का प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने गुरुवार को विभिन्न जनहित एवं किसान हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर के माध्यम से राजस्थान के राज्यपाल एवं भारत सरकार के वित्त मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

आरएलपी के युवा नेता रतन रोलाहेड़ा ने बताया कि लगातार बढ़ती महंगाई से आमजन परेशान है। ज्ञापन के माध्यम से पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण कर आम जनता को राहत प्रदान करने की मांग की गई।

सांसद हनुमान बेनीवाल की सुरक्षा बहाली की मांग

ज्ञापन में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की सुरक्षा पुनः बहाल किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। पार्टी पदाधिकारियों का कहना था कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा वापस लिए जाने के निर्णय पर पुनर्विचार कर सुरक्षा व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए।

आरएलपी कार्यकर्ताओं ने चित्तौड़गढ़ जिले में संचालित सीमेंट उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की मांग करते हुए कहा कि उद्योगों में कम से कम 80 प्रतिशत रोजगार स्थानीय युवाओं को दिया जाए, जिससे बेरोजगारी कम हो और युवाओं का पलायन रोका जा सके।

जिंक फर्टिलाइजर प्लांट बंद करने की मांग

ज्ञापन में क्षेत्र में संचालित जिंक फर्टिलाइजर प्लांट को तत्काल प्रभाव से बंद करने की मांग भी की गई। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि इससे क्षेत्र के पर्यावरण एवं आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने अफीम किसानों की विभिन्न मांगों को भी प्रमुखता से रखा। ज्ञापन में आगामी वर्ष 2026-27 की अफीम नीति में मार्फिन मानक 4.2 प्रतिशत से घटाकर 3.5 प्रतिशत करने की मांग की गई, ताकि हजारों किसानों के पट्टे बचाए जा सकें। इसके साथ ही अफीम का सरकारी समर्थन मूल्य 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित करने, सीपीएस नीति को पूर्ण रूप से समाप्त करने तथा वर्ष 1991 से अब तक कटे एवं लंबित अफीम पट्टों को पुनः जारी करने की मांग भी की गई।

सरकारी अवकाश के दिनों में कार्य नहीं करने की चेतावनी-एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संयुक्त समन्वय समिति ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक, पटवारी एवं ग्राम विकास अधिकारी संयुक्त समन्वय समिति, उपशाखा उनियारा ने सरकारी अवकाश के दिनों में कर्मचारियों से कार्य लिए जाने के विरोध में मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव के नाम उपखंड अधिकारी (एसडीएम) उनियारा को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2008 में राज्य कर्मचारियों की कार्यक्षमता, मानसिक स्वास्थ्य एवं पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने के उद्देश्य से छह दिवसीय कार्य सप्ताह को घटाकर पांच दिवसीय किया गया था। इसके बावजूद विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों, शिविरों, अभियानों एवं बैठकों के नाम पर कर्मचारियों से अवकाश के दिनों में भी लगातार कार्य कराया जा

रहा है, जिससे उनके पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संयुक्त समिति ने आरोप लगाया कि बड़े एवं मुख्यालय स्तर के कार्यालयों में अवकाश के दिनों में कार्य लेने पर कर्मचारियों को प्रतिपूरक अवकाश अथवा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षकों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। कई बार कर्मचारियों को छह-छह माह तक अपने घर जाने का अवसर भी नहीं मिल पाता है।समिति ने निर्णय लिया है कि भविष्य में शनिवार, रविवार एवं राजकीय अवकाश के दिनों में केवल आपातकालीन सेवाओं से संबंधित कार्य ही किए जाएंगे। इसके अलावा अवकाश के दिनों में आयोजित बैठकों, ग्राम सभाओं, चौपालों, शिविरों एवं निरीक्षण कार्यक्रमों में भाग नहीं लिया जाएगा। ज्ञापन में राज्य सरकार से मांग की गई है कि आपातकालीन एवं संकट की परिस्थितियों को छोड़कर अवकाश के दिनों में किसी भी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएं, ताकि कर्मचारी अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का समुचित निर्वहन कर सकें। ज्ञापन पर कृषि पर्यवेक्षक संघ, पटवार संघ एवं ग्राम विकास अधिकारी संघ के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं। समिति ने चेतावनी दी है कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने की स्थिति में अवकाश के दिनों में कार्य बहिष्कार का निर्णय प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा।

वार्ड परिसीमन में गड़बड़ी का आरोप

बस्सी मोहल्ला कुम्हारों के बास के निवासियों ने जताया विरोध

स्मार्ट हलचल

मेड़ता बस्सी मोहल्ला कुम्हारों के बास क्षेत्र के वार्डवासियों ने वार्ड परिसीमन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि परिसीमन के दौरान न केवल तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया, बल्कि जमीनी स्थिति को नजरअंदाज करते हुए वार्डों का विभाजन किया गया।वार्डवासियों के अनुसार पुराने वार्ड संख्या 31 को दो हिस्सों में बांट दिया गया, जिसमें एक भाग को वार्ड संख्या 11 और दूसरे भाग को वार्ड संख्या 9 में शामिल कर दिया गया। लोगों का कहना है कि यह विभाजन बिना उचित सर्वे और स्थानीय सहमति के किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र के सामाजिक और पारिवारिक ढांचे पर असर पड़ा है।-स्थानीय निवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि उक्त वार्ड में रहने वाले सभी लोग एक ही परिवार और वंश से जुड़े हुए हैं, लेकिन परिसीमन में उन्हें अलग-अलग वार्डों में विभाजित कर दिया गया। इससे न केवल प्रशासनिक असुविधा बढ़ी है बल्कि पारिवारिक एकता पर भी असर पड़ने की बात कही जा रही है। वार्डवासियों का यह भी कहना है कि क्षेत्र में एक रामदेव जी का मंदिर और एक रामदेव जी का चबूतरा स्थित है, लेकिन जांच टीम ने गलत तरीके से चबूतरे को ही मंदिर के रूप में दर्ज कर लिया। लोगों ने इसे गंभीर त्रुटि बताते हुए जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। निवासियों ने आरोप लगाया है कि परिसीमन की पूरी रिपोर्ट राजनीतिक दबाव में तैयार की गई, जिससे वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज कर दिया गया और गलत निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए। अब वार्डवासी इस मामले में एकजुट होकर नागौर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की तैयारी कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर वार्ड परिसीमन को पुनः सही तरीके से संशोधित किया जाए।

कोटा के डॉ. अनीश गुप्ता ने चीन में बढ़ाया भारत का मान, शोधपत्र को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

बीजिंग में डॉ. अनीश गुप्ता ने रखा आयुर्वेद का पक्ष, शोधपत्र को मिला सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार, कोटा से विश्व मंच तक: डॉ. अनीश गुप्ता की शोध प्रस्तुति को चीन में मिली बड़ी पहचान

स्मार्ट हलचल | कोटा

राजस्थान के कोटा शहर के प्रतिष्ठित एक्यूपंक्चर विशेषज्ञ, आयुर्वेद चिकित्सक एवं शोधकर्ता डॉ. अनीश गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का गौरव बढ़ाते हुए चीन में आयोजित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सम्मेलन में अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। उनके शोधपत्र को उत्कृष्टता के लिए 'बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

डॉ. गुप्ता को चीन सरकार के प्रतिष्ठित संस्थान चाइना एकेडमी ऑफ चाइनीज मेडिकल साइंसेज

(छ्ष्टरूस्), बीजिंग द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने 'द ब्रिज बिटवीन आयुर्वेद एंड ट्रेडिशनल चाइनीज मेडिसिन : ए शेयर्ड जर्नी ऑफ विजडम' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। अपने शोध में उन्होंने आयुर्वेद और पारंपरिक चीनी चिकित्सा (टीसीएम) के साझा सिद्धांतों, दोनों चिकित्सा प्रणालियों की वैज्ञानिक उपयोगिता तथा वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं में उनके समन्वय की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. गुप्ता ने अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि भारत और चीन की हजारों वर्षों पुरानी चिकित्सा परंपराएं आज भी समग्र स्वास्थ्य एवं रोग निवारण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने दोनों प्रणालियों के अनुभवों और ज्ञान को एकीकृत कर विश्व मानवता के लिए अधिक प्रभावी स्वास्थ्य मॉडल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उनके शोधकार्य की गुणवत्ता और विषय की प्रासंगिकता को देखते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. रोंग पेजिंग ने उन्हें 'बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवॉर्ड' प्रदान किया।

डॉ. अनीश गुप्ता पिछले तीन दशकों से अधिक समय से एक्यूपंक्चर एवं आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने देशभर में दो लाख से अधिक रोगियों का उपचार किया है तथा अनेक जटिल रोगों पर शोध एवं चिकित्सा कार्य किया है। वर्तमान में वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एक्यूपंक्चर रिसर्च एंड एलाइड साइंसेज, कोटा के निदेशक एवं प्राचार्य हैं तथा एक्यूपंक्चर साइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं।

राजियावास को मिली ऐतिहासिक सौगात; सुराघाटा फीडर के लिए 6 करोड़ मंजूर

63 साल का इंतजार खत्म, जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत की बड़ी घोषणा; तालाब में बढ़ेगी पानी की आवक

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ग्राम पंचायत राजियावास के ऐतिहासिक तालाब को लेकर क्षेत्रवासियों की दशकों पुरानी उम्मीद आखिरकार पूरी हो गई है। 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत गुरुवार को राजियावास तालाब की पाल पर आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने क्षेत्र को एक बड़ी और ऐतिहासिक सौगात दी। मंत्री रावत ने सरपंच व प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत की अगुवाई में पिछले 63 वर्षों से लंबित चली आ रही मांग को पूरा करते हुए सुराघाटा फीडर के निर्माण के लिए 6 करोड़ रुपये के बजट की घोषणा की है। यह फीडर राजियावास तालाब में पानी की आवक बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मौके पर ही दिए एस्टीमेट और इआरसीपी के निर्देश

जल संसाधन मंत्री ने इस योजना की महत्ता को देखते हुए मौके पर ही मौजूद जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुराघाटा फीडर का विस्तृत एस्टीमेट तुरंत तैयार किया जाए। इसके साथ ही, प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत की पुरजोर मांग पर मंत्री ने ऐतिहासिक राजियावास तालाब को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में शामिल करने हेतु कार्ययोजना बनाने के भी आदेश जारी किए। इन घोषणाओं के होते ही कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों ने करतल ध्वनि और जयघोष के साथ मंत्री का आभार जताया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुरेशसिंह रावत तालाब की पाल से लबालब भरे जलाशय के विहंगम और खूबसूरत दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने इस प्राकृतिक धरोहर को सहेजने के लिए ग्रामीणों की जमकर सराहना की। मंत्री ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे तालाब की स्वच्छता बनाए रखें और जल संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इसके बाद मंत्री ने पाल पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पंडित राधेश्याम शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शिवलिंग का पंचामृत अभिषेक कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। उन्होंने पीपल पूजन कर पौधारोपण भी किया।

63 साल का संघर्ष: कई बार बनी और बिगड़ी बात

इस योजना का इतिहास काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत ने बताया कि रियासत कालीन इस तालाब में पानी की क्षमता बढ़ाने के लिए साल 1963-64 में सुराघाटा फीडर योजना बनाई गई थी। 1963 से 2008 के बीच इस पर करीब 5 करोड़ रुपये खर्च हुए, लेकिन काम अधूरा रहा। इसके बाद साल 2018 में भाजपा सरकार ने 295.93 लाख मंजूर किए, जिसे 2019 में आई कांग्रेस सरकार ने निरस्त कर दिया। फिर 2022 में कांग्रेस सरकार ने 4.10 करोड़ स्वीकृत किए, जिसे 2023 में सत्ता बदलते ही निरस्त कर दिया गया। 2024-25 के बजट में इसकी सिर्फ डीपीआर की घोषणा हुई थी, लेकिन अब जाकर 6 करोड़ की इस ऐतिहासिक घोषणा से यह काम धरातल पर उतरेगा, जो ब्यावर शहर और आसपास के गांवों के लिए वरदान बनेगा।

21 किलो की माला से भव्य स्वागत, विधायक ने बताया सांझी धरोहर

क्षेत्रीय विधायक शंकरसिंह रावत ने इस मौके पर कहा कि राजियावास तालाब राजियावास और कालिंजर गांवों की साझा ऐतिहासिक धरोहर है। उन्होंने सरपंच की दोनों मांगों को जायज ठहराते हुए मंत्री से इन्हें जल्द पूरा कराने का आग्रह किया था। इससे पूर्व, कार्यक्रम में पहुंचने पर सरपंच/प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जल संसाधन मंत्री का 21 किलो की विशाल पुष्पमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत, प्रधान गणपतसिंह रावत, सरपंच संघ अध्यक्ष महिपालसिंह, एडीएम ब्रह्मदत्त जाट, मंडल अध्यक्ष जयसिंह सुहावा सहित जवानसिंह, कल्याणसिंह, हरजीसिंह, पूरणसिंह और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक रतनसिंह चौहान ने किया और अंत में सरपंच ब्रजपालसिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भजनलाल सरकार की नई भर्ती नीति वाल्मीकि समाज और बेरोजगार युवाओं के साथ अन्यायः सुरेंद्रसिंह जाड़ावत

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राजस्थान सरकार द्वारा 25 हजार सफाई कर्मियों की भर्ती के लिए प्रस्तावित नए नियमों पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जाड़ावत ने भजनलाल सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार रोजगार देने के नाम पर युवाओं को पांच वर्ष तक संविदा पर रखने की तैयारी कर रही है, जो बेरोजगार युवाओं और विशेष रूप से वाल्मीकि समाज के साथ सरासर अन्याय है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस विसंगतिपूर्ण नीति के कारण यह पूरी भर्ती प्रक्रिया कोर्ट के फेर में फंसकर अधरझूल में लटक जाएगी।

2 वर्ष के प्रोबेशन की जगह 5 वर्ष की शर्त बड़ा धोखाः

पूर्व राज्यमंत्री जाड़ावत ने कहा कि सामान्य नियम के अनुसार नई सरकारी नौकरियों का प्रोबेशन पीरियड (परिवीक्षा काल) 2 वर्ष का होता है, लेकिन सफाई कर्मियों के लिए 5 वर्ष तक संविदा पर रखने का नियम बनाया जा रहा है। यह नीतिगत विसंगति के आधार पर न्यायालय में चुनौती का कारण बनेगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया ठप हो जाएगी। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा, 'रोजगार का अधिकार युवाओं का हक है, कोई एहसान नहीं। पांच साल तक संविदा की शर्त लगाकर सरकार युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ कर रही है। 5 वर्ष वाला यह नियम वाल्मीकि समाज के साथ एक बहुत बड़ा धोखा साबित होगा। '

युवाओं को अनिश्चितता के माहौल में धकेल रही सरकार:

जाड़ावत ने कहा कि सरकार खुद यह स्वीकार कर रही है कि चयनित अभ्यर्थियों को पहले पांच वर्षों तक संविदा पर ही कार्य करना होगा। इसके बाद उनके कार्य, अनुशासन और प्रदर्शन का मूल्यांकन होने पर ही उन्हें स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। ऐसे में युवाओं को स्थायी रोजगार का भरोसा और सुरक्षा देने के बजाय सरकार उन्हें अस्थिरता और अनिश्चितता के दलदल में धकेल रही है, जिससे युवाओं का भविष्य असुरक्षित हो जाएगा।

वाल्मीकि समाज के हितों की रक्षा के लिए उठाएंगे आवाजः

सफाई व्यवस्था में वाल्मीकि समाज के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से यह समाज अत्यंत कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी नगरों व शहरों की स्वच्छता बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। सरकार को भर्ती नीति तैयार करते समय वाल्मीकि समाज की भावनाओं, सदियों के अनुभव और हितों का विशेष ध्यान रखना चाहिए था, क्योंकि अन्य समाज सफाई कार्य को इस निपुणता से नहीं कर पाएंगे। जाड़ावत ने संकल्प दोहराया कि वाल्मीकि समाज के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर मुखर होकर आवाज उठाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय निर्दोष बाल पीड़ित दिवस पर सीकर किशोर गृह में कार्यक्रम आयोजित

स्मार्ट हलचल | सीकर

राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, बाल अधिकारिता विभाग, पालवास रोड, सीकर परिसर में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय निर्दोष बाल पीड़ित दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल बृजेन्द्र सिंह रूलानिया एवं एसीएडीसी परमजीत सिंह उपस्थित रहे। साथ ही बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अंकुर बहड़, सदस्य बिहारी लाल बालान, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य सरोज देवी, गृह काउंसलर धर्मपाल जाट एवं विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल बृजेन्द्र सिंह रूलानिया ने कहा कि यह दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि मानवता को अपनी जिम्मेदारियों का अहसास कराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि निर्दोष बच्चों के साथ होने वाली हिंसा समाज के लिए कलंक है।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अंकुर बहड़ व सदस्य बिहारी लाल बालान ने कहा कि बालश्रम, मानव तस्करी, शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न जैसे अपराधों के विरुद्ध केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं हैं। इनका प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह की अधीक्षक रूकमणी गढ़वाल ने समस्त न्यायविदों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी किशोर बालकों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्मान के साथ जीवन जीने तथा अपराध की पुनरावृत्ति न करने की प्रतिज्ञा दिलाई।

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने लिया 'वंदे गंगा अभियान' का जायजा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने ब्यावर जिले के प्रवास के दौरान राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं का व्यापक निरीक्षण और समीक्षा की। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को मानसून से पूर्व सभी जल स्रोतों की मरम्मत और साफ-सफाई समय पर पूरा करने के कड़े निर्देश दिए।

इआरसीपी से दूर होगी ब्यावर की पानी की किल्लत

समीक्षा बैठक के दौरान जल संसाधन मंत्री ने ब्यावर वासियों के लिए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के धरातल पर उतरने से ब्यावर क्षेत्र के नागरिकों और किसानों को वर्ष भर भरपूर पानी मिल सकेगा, जिससे क्षेत्र में जल संकट का स्थाई समाधान होगा।

जल स्रोतों से अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश

मंत्री रावत ने जलाशयों, तालाबों और बांधों के आवक मार्गों (कैचमेंट एरिया) की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि: पानी की आवक में बाधा बनने वाले सभी अतिक्रमणों की पहचान कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाए। कड़िया देह बांध से जवाजा बांध तक पानी पहुंचाने की तकनीकी संभावनाओं के लिए जल्द से जल्द विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जाए। जलाशयों के आस-पास फैले विलायती बबूल को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

राजियावास तालाब, देवाता फीडर का निरीक्षण और बनजारी तालाब पर जल पूजन

बैठक के बाद मंत्री ने सीधे फील्ड का रुख किया। उन्होंने राजियावास क्षेत्र में तालाब के संरक्षण कार्यों और जवाजा क्षेत्र में निर्माणाधीन देवाता फीडर का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों से समझौता न करते हुए काम को समयसीमा में पूरा करने को कहा ताकि किसानों को सिंचाई का समय पर लाभ मिल सके। इसके पश्चात, मंत्री ने बनजारी तालाब पहुंचकर विधि-विधान से जल पूजन किया और उपस्थित जनसमुदाय को जल एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

जनभागीदारी से बनेगा 'जन आंदोलन'

इस अवसर पर ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि जल संरक्षण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। समाज के हर वर्ग को इससे जोड़कर ही इसे एक जन आंदोलन का रूप दिया जा सकता है। बैठक में प्रवासियों को जोड़ने के लिए 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' और 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत बड़े पैमाने पर पौधारोपण की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम और समीक्षा बैठक के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि जीतमल प्रजापत, गणपत सिंह रावत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्मा लाल जाट, और अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गोपाल लाल मीणा सहित कई जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

खेड़ेश्वर महादेव मंदिर विकास समिति का गठन, प्रस्ताव पारित

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। खेड़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर में गाँव के प्रबुद्ध नागरिकों और भक्तों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। तेजाजी महाराज के प्रांगण में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से 'खेड़ेश्वर महादेव मंदिर विकास समिति' का गठन किया गया। इसमें गाँव के सभी ग्रामवासी और सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में मंदिर के सुचारू संचालन और विकास कार्यों के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। समिति के प्रत्येक सदस्य द्वारा प्रति वर्ष 1100 रुपये का सालाना शुल्क देने का प्रस्ताव पारित हुआ। इसके साथ ही, नितिन कर्णावत (भाट) को सर्वसम्मति से समिति का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में बताया गया कि मंदिर की पुरानी शेष राशि 27,674 रुपये है।

मंदिर के जीर्णोद्धार और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए कई विकास कार्यों पर सहमति बनी। इनमें मंदिर की मुख्य सीढ़ियों का नवीनीकरण कर उन पर पत्थर लगाना शामिल है। गोखड़ों और नीचे के चबूतरे (थूहरी) पर ग्रेनाइट अथवा मार्बल लगाने का भी निर्णय लिया गया।

सुरक्षा और सुविधा के मद्देनजर धूने के चारों ओर रेलिंग लगाई जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए सीढ़ियों पर टीन शेड का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसर के कुंड में गंदे पानी के प्रवेश को रोकने के लिए आम रास्ते के पास एक मजबूत दीवार बनाने का प्रस्ताव भी पारित हुआ।

बैठक में सौराज गुर्जर, बाबु गुर्जर, प्रेमचन्द गौड़, राजेश नेखाड़ी, नितिन कर्णावत, आशीष भाट, नीरज भाट, नरेश लक्षकार, मुकेश गौड़, रमेश चौधरी, रामचरण सैन, सोनु भाट, मुकुट बिहारी शर्मा, राजेश गुर्जर, अविनाश मीणा, महावीर गुर्जर, कैलाश शर्मा, दिपक भाट, शंकर सैनी और रामअवतार सैनी सहित कई प्रमुख ग्रामीण उपस्थित थे। सभी उपस्थित सदस्यों ने प्रस्ताव पत्र पर हस्ताक्षर कर अपनी सहमति दर्ज कराई।

बनेठा कस्बे के आजाद चौक में लो-वोल्टेज का संकट, जनजीवन बेहाल

40 से ज्यादा घर प्रभावित, तीन साल से नहीं मिला स्थायी समाधान

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। बनेठा कस्बे के आजाद चौक क्षेत्र में पिछले कई दिनों से कम वोल्टेज की समस्या ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात यह हैं कि घरों में बल्ब टिमटिमा रहे हैं, पंखे रेंग रहे हैं और फ्रिज-इनवर्टर जैसे जरूरी उपकरण काम करना बंद कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि जेवीवीएनएल हेल्पलाइन 1912 और स्थानीय कार्यालय में बार-बार शिकायत के बाद भी केवल 'जल्द समाधान' का आश्वासन मिलता है। जमीनी कार्रवाई शून्य है। वोल्टेज गिरने से कई घरों में बिजली उपकरण खराब होने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

आजाद चौक की दुकानों समेत 40 से अधिक घरों में लो-वोल्टेज से हाहाकार है। गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी बढ़ी है, और दिनभर लोड बढ़ते ही वोल्टेज जवाब दे जाता है। कूलर-पंखे न चलने से महिलाएं और बुजुर्ग रातभर परेशान रहते हैं।बनेठा कस्बे निवासी हरीश जैन,दामोदर कुमावत, परमानंद माली व शंकर सोनी का कहना है कि पिछले तीन साल से हर गर्मी में लोग इस बदहाली से त्रस्त हैं। मोहल्लेवासियों ने बिजली विभाग से ट्रांसफार्मर की लोड क्षमता जांचकर तुरंत समाधान की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते राहत नहीं मिली तो क्षेत्रवासी उच्च अधिकारियों और राजस्थान संपर्क जनसुनवाई पोर्टल पर लिखित शिकायत दर्ज कराएंगे।

165 किलो डोडा पोस्त तस्करी का मुख्य आरोपी ताराचंद गिरफ्तार; 3 महीने से था फरार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ब्यावर जिला पुलिस ने नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। बर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में पिछले तीन महीने से फरार चल रहे 2,000 के इनामी और थाने के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल तस्कर ताराचंद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पहले भी नागौर जिले के गोटन थाने में मादक पदार्थों की तस्करी का मामला दर्ज है।

क्रेटा में छिपा रखा था 165 किलो डोडा पोस्त, पुलिस को देख हुए थे फरार

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि गत 1 मार्च 2026 को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स पाली और रायपुर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से जस्साखेड़ा से कालब कलां रास्ते पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान जस्साखेड़ा की तरफ से आ रही एक क्रेटा कार को जब पुलिस ने रुकवाने का प्रयास किया, तो उसमें सवार आरोपी ताराचंद और उसका साथी महेंद्र जाट पुलिस को देखकर गाड़ी भगा ले गए।

पुलिस ने जब पीछा किया तो आरोपी रास्ते में ही क्रेटा गाड़ी को छोड़कर, पीछे से आ रही अपनी एक अन्य एस्कॉर्ट कार में सवार होकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने जब लावारिस छूटी क्रेटा गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें से 165.100 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने थाना बर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

तकनीकी विश्लेषण से जाल बिछाकर दबोचा

फरार चल रहे आरोपी ताराचंद की गिरफ्तारी के लिए ब्यावर एसपी रतनसिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया के निर्देश पर बर थानाधिकारी पन्नालाल (उप निरीक्षक) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से आरोपी के तकनीकी डाटा का विश्लेषण किया और मुखबिरों को सक्रिय किया। पुख्ता सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी ताराचंद (34 वर्ष) पुत्र हरजीराम जाट, निवासी बैडकला (जैतारण) को धर दबोचा।

इस सफल कार्रवाई में बर थानाधिकारी पन्नालाल, कांस्टेबल गिरधारी (नंबर 601) और कांस्टेबल महिपाल (नंबर 543) की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है ताकि डोडा पोस्त की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य नेटवर्क और उसके फरार साथी महेंद्र का पता लगाया जा सके।

तस्करी प्रकरण में वांछित इनामी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के तहत जिला विशेष टीम ने मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में वर्ष 2021 के एनडीपीएस एक्ट प्रकरण में फरार चल रहे 2 हजार रुपए के इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि महानिरीक्षक रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के तहत एएसआई सूरज कुमार के नेतृत्व में साइबर सेल एएसआई राजकुमार, कांस्टेबल देवेंद्र, वीरेंद्र, शीशपाल की विशेष टीम गठित की गई। इस टीम द्वारा थाना कोतवाली जिला मंदसौर मध्य प्रदेश के वर्ष 2021 के एनडीपीएस मामले में फरार चल रहे आरोपी कमल कीर पिता कैलाश कीर निवासी कल्याणपुर थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक कार्यालय मंदसौर द्वारा 2 हजार रुपये का इनाम जारी किया गया था।

शराबियों का सड़क पर दो घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा, मेहरूखुर्द की अवैध शराब ब्रांच पर फिर उठे संरक्षण और कार्रवाई के सवाल

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। क्षेत्र के मेहरूखुर्द गांव में संचालित बताई जा रही अवैध शराब की ब्रांच के बाहर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब शराब के नशे में धुत दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आम रास्ते पर ही भिड़ गए और करीब दो घंटे तक जमकर हंगामा चलता रहा। इस दौरान मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा तथा क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

ग्रामीणों के अनुसार मेहरूखुर्द में लंबे समय से संचालित अवैध शराब ब्रांच गांव का माहौल खराब कर रही है। शराब पीने के लिए यहां आसपास के क्षेत्रों से भी लोग पहुंचते हैं, जिससे आए दिन

विवाद, गाली-गलौज और झगड़े जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। गुरुवार को भी मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते उग्र रूप धारण कर लिया और दोनों पक्षों ने सड़क पर ही हंगामा शुरू कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध शराब ब्रांच के सामने से मेहरूखुर्द-बिसुन्दनी मुख्य मार्ग गुजरता है। इसी रास्ते से मेहरूखुर्द, माधोपुरा और किशनपुरा सहित आसपास के गांवों के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन मेहरूखुर्द स्थित विद्यालयों में अध्ययन के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में शराबियों की भीड़ और उनके द्वारा किए जाने वाले हंगामे से विद्यार्थियों एवं महिलाओं को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि शराब ब्रांच के बाहर आए दिन नशे में धुत लोग अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। वहीं यह स्थान चार रास्तों का प्रमुख संगम होने के कारण यहां हर समय लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद शराबियों के जमावड़े और झगड़ों से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित अवैध शराब ब्रांच निर्धारित समय की परवाह किए बिना लगभग हर समय खुली रहती है, जिससे क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। गांव के लोगों ने प्रशासन एवं आबकारी विभाग से मामले की जांच कर अवैध शराब कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने तथा गांव के शांतिपूर्ण माहौल को बनाए रखने की मांग की है।

दूनी अस्पताल में न चिकित्सक मिला, न उपचार, युवक की हुई मौत

आक्रोषित शहरवासियों ने किया धरना प्रदर्शन और बाजार बंद, तीनों चिकित्सकों को एक साथ छुट्टी देने से शहरवासियों में भारी आक्रोश

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजकीय चिकित्सालय दूनी में रात को प्राथमिक उपचार नहीं मिलने के चलते 36 वर्षीय युवक अनुराग पारीक पुत्र स्वर्गीय कैलाश पारीक की मौत के मामले ने गुरुवार को आक्रोशित रूप ले लिया। मृतक के परिजनों और आक्रोशित ग्रामीणों ने अस्पताल में तीनों डॉक्टरों की अनुपस्थिति और चिकित्सा व्यवस्था में लापरवाही के आरोप लगाते हुए दूनी कस्बे का बाजार बंद करवा दिया और दूनी-सरोली मार्ग पर टायर जलाकर जमकर नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि अस्पताल में तीन डॉक्टर कार्यरत हैं, लेकिन बुधवार रात को कोई भी चिकित्सक ड्यूटी पर मौजूद नहीं था। वहीं नगरफोर्ट से प्रतिनियुक्ति पर तैनात डॉक्टर के भी अस्पताल में नहीं मिलने के कारण परिजनों को अनुराग को टोंक ले जाना पड़ा, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। स्थिति को देखते हुए देवली एसडीओ रुबी अंसार, सीएमएचओ डॉ. शैलेन्द्र चौधरी, बीसीएमओ डॉ. मनीष यादव,

पुलिस उपाधीक्षक हेमराज चौधरी, तहसीलदार विनोद शर्मा और दूनी थानाधिकारी रतनसिंह तंवर सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। यहां करीब 5 घंटे तक चले इस विरोध-प्रदर्शन के बाद प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सहमति बनी। इस बीच सीएमएचओ डॉ. शैलेंद्र चौधरी ने हाथ जोड़कर ग्रामीणों को समझाया, लेकिन आक्रोशित ग्रामीण नहीं माने। बाद में सीएमएचओ ने प्रभारी डॉ. सतीश जोरहवाल, जितेश शिवनानी और नगरफोर्ट से प्रतिनियुक्ति पर तैनात सचिन के विरुद्ध जांच कर कार्रवाई करने आश्वासन दिया। वहीं अस्पताल की व्यवस्था सुधारने का भरोसा दिलाया। प्रशासन की ओर से एक दिन के अल्टीमेटम पर कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने अपना धरना समाप्त किया। प्राप्त जानकारी अनुसार अनुराग पारीक ई मित्र की दुकान चलाता था एवं अनुराग के एक 8 साल का बच्चा भी है।

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फपंजाबी वर्सायफ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं।

महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

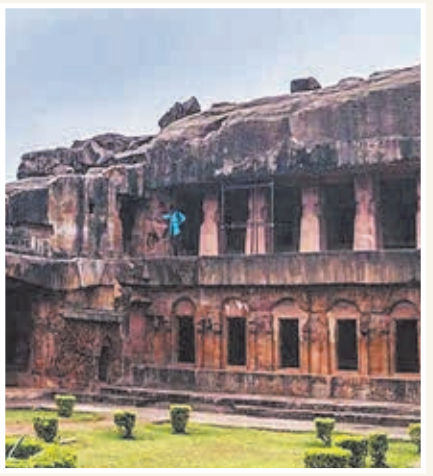

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com